RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 277 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, रविवार 24 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की ओर चीन का बड़ा कदम, पहला लैब मॉड्यूल सफलतापूर्वक लॉन्च किया

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने रविवार को अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन का पहला लैब मॉड्यूल सफलतापूर्वक लॉन्च किया। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, लॉन्ग मार्च-5बी ङ्ग3 वाहक रॉकेट, वेंटियन को ले जा रहा था, जो दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान के तट पर वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित हुआ।

नया मॉड्यूल कोर मॉड्यूल के बैकअप के रूप में और देश द्वारा वर्तमान में बनाए जा रहे तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में एक शक्तिशाली वैज्ञानिक प्रयोग मंच के रूप में कार्य करेगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए सही ट्रैक पर चल रहा है क्योंकि उसने सफलतापूर्वक पहला लैब मॉड्यूल लॉन्च किया है।

खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने के लिए चीन पूरी ताकत झोंक रहा

बता दें कि अंतरिक्ष में खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने के लिए चीन पूरी ताकत झोंक रहा है। निर्माण कार्य पूरा करने के लिए एक के बाद एक अंतरिक्ष यात्री को भेजा जा रहा है। इसी क्रम में चीन ने आज तीन अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन पर भेज दिया है। यह मिशन करीब छह महीने तक चलेगा। तीनों यात्री चीनी स्पेस स्टेशन तियांगोंग का निर्माण कार्य पूरा करेंगे।

अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, लियू यांग और कै जुझे शेनझोउ-14 अंतरिक्ष यान के जरिए स्पेस में भेजे गए थे। यह दल पृथ्वी का चक्कर लगा रहे चीन के अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करेगा। शेनझोउ-14 अंतरिक्षयान को उत्तर पश्चिमी चीन के जिकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से लॉन्ग मार्च-2एफरॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में भेजा गया।

सताने लगी सेंधमारी की चिंता, दिल्ली दरबार में पहुंचे सीएम बघेल और सिंहदेव

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आंतरिक कलह से भी परेशान है। यहां सीएम भूपेश बघेल और कैबिनेट मंत्री टीएस सिंह देव के बीच सियासी घमासान पार्टी की चिंता का विषय बना हुआ है। विधायकों की लामबंदी के चलते दोनों नेताओं को एक बार फिर से दिल्ली पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों नेता आलाकमान के सामने अपनी-अपनी बात रखेंगे।

रवाना होने से पहले भूपेश बघेल ने कहा कि रविवार को दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे हिमाचल प्रदेश के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। दरअसल, बघेल को हिमाचल प्रदेश का पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं टीएस सिंह देव भी दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। करीबी सूत्रों

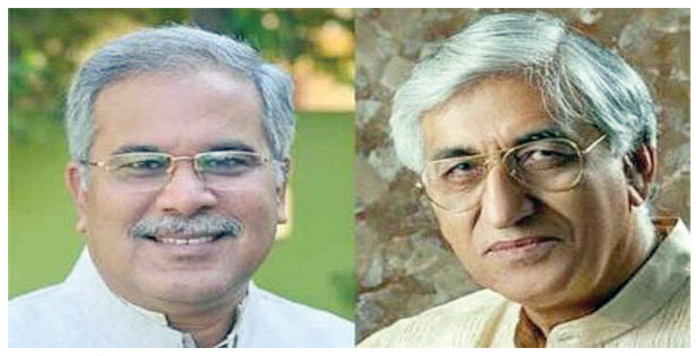

का कहना है कि टीएस सिंह देव कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक की मांग कर सकते हैं।

सरकार के ढाई साल के बाद शुरू हुए मतभेद

जून 2021 में बघेल के सीएम के रूप में ढाई साल पूरे हुए थे। इसके बाद से ही उनके और टीएस सिंह देव के बीच आंतरिक कलह सामने आई थी। सिंह देव के समर्थकों ने दावा किया कि 2018 में बनी सहमति के अनुसार, बघेल द्वारा आधा कार्यकाल पूरा करने के बाद उन्हें पदभार ग्रहण करना था।

भाजपा की सेंधमारी का सताया डर

छत्तीसगढ़ में आंतरिक कलह से जूझ रही कांग्रेस को भाजपा की सेंधमारी की भी चिंता सताने लगी है। दरअसल, विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होते ही भाजपा ने बघेल सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस पर 27 जुलाई को चर्चा होनी है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी दोनों नेताओं के बीच झगड़ा सुलझाना चाहती है।

इस्तीफे के बाद सामने आई थी कलह

दरअसल, 16 जुलाई को सिंह देव ने पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उन्होंने अपने अन्य विभागों को बरकरार रखा। मुख्यमंत्री को लिखे अपने चार पन्नों के त्याग पत्र में, सिंह देव ने दावा किया कि चुनाव घोषणापत्र के अनुसार ग्रामीण विकास विभाग के लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थ हैं।

दिल्ली में मिला मंकीपॉक्स का पहला मरीज, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दिल्ली में पहला रोगी मिलने की पुष्टि की है। यह मरीज मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती है। 31 वर्षीय व्यक्ति का कोई यात्रा इतिहास नहीं है, जिसे बुखार और त्वचा के घावों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारत में इस बीमारी का यह चौथा मामला है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वह व्यक्ति हाल ही में हिमाचल प्रदेश के मनाली में एक पार्टी में शामिल हुआ था। पश्चिमी दिल्ली के रहने वाले व्यक्ति को करीब तीन दिन पहले यहां के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने के बाद भर्ती कराया गया था। उसके नमूने शनिवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) पुणे भेजे गए, जांच के बाद नमूने पॉजिटिव मिले। मरीज की संपर्क ट्रेसिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

घर के बाहर बैठे 2 भाइयों पर आकाशीय बिजली गिरने से मौत, दरवाजे पर बैठी बच्ची की भी चली गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो चचेरे भाई और एक 12 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बारिश के दौरान दोनों भाई एवं बालिका घर के बाहर बैठे थे। आकाशीय बिजली से 3 लोगों की मौत से उनके परिवार समेत गांव में मातम पसरा हुआ है। इधर मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के लिए छत्तीसगढ़ में ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के 8 जिलों में ऑरेंज और 10 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान भारी से अति भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की गई है।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक के बावजूद बारिश नहीं हो रही है। खंड वर्षा होने के साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी हो रही हैं। शनिवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से कोरिया जिले

के मनेंद्रगढ़ ब्लॉक में 2 युवक और 12 वर्षीय बालिका इसकी चपेट में आ गए। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत खैरबना में लक्ष्मण यादव (25 वर्ष) और अखिलेश यादव (22 वर्ष) घर के बाहर बैठे थे। उसी समय शाम करीब 4 बजे अचानक घर के समीप आकाशीय बिजली गिरी, जिससे दोनों भाई की मौत हो गई।

कोरिया जिले में इस माह 8 लोगों की मौत

पुलिस चौकी नागपुर क्षेत्र के ग्राम लाई में तमन्ना अली (12 वर्ष) की मौत भी आकाशीय बिजली से हुई है। शाम करीब 4 बजे वह अपने घर के बाहर दरवाजे पर बैठी थी। उसी समय तेज गरज के साथ आकाशीय बिजली आ गिरी। पुलिस रिकार्ड के अनुसार पिछले एक महीने में कोरिया जिले में 8 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि उत्तरी छत्तीसगढ़ के पहाड़ी क्षेत्रों में गाज गिरने की घटनाएं ज्यादा होती हैं। पिछले माह जशपुर में 2 साप्ताहिक बाजारों में गाज गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। सरगुजा जिले के मैनपाट एवं सीतापुर क्षेत्र में गाज गिरने की घटनाएं ज्यादा होती हैं।

ईमानदारीः सिपाही को मिला लाखों रूपयों से भरा बैग, थाने में कराया जमा सीएम भूपेश बोले-समाज के लिए आदर्श

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में एक ट्रैफिक पुलिस कॉन्स्टेबल ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। रायपुर ट्रैफिक पुलिस में तैनात कॉन्स्टेबल नीलांबर सिन्हा को लावारिस हालत में सड़क पर एक बैग मिला। उन्होंने बैग खोला तो उसमें 2000 और 500 के नोटों के कई बंडल थे। सिन्हा ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए रुपयों से भरा बैग थाने में जमा करा दिया। बैग में कुल 45 लाख रुपये थे। नीलांबर की ईमानदारी की हर तरफ चर्चा हो रही है। यहां तक कि सूबे के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी ट्वीट कर सिन्हा को समाज के लिए आदर्श बताया है।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार को एयरपोर्ट की ड्यूटी से घर जाते वक्त राय पब्लिक स्कूल के पास नीलांबर को एक सफेद रंग का बैग मिला। बैग में नोटों के बंडल भरे थे। नीलांबर ने बैग के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी और बैग थाने में जमा करा दिया।

सीएम बघेल ने की सिन्हा की तारीफ

छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल ने नीलांबर की तारीफकरते हुए ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा, 'ट्रैफिक आरक्षक नीलांबर सिन्हा जैसे ईमानदार लोग समाज के लिए आज के समय में ईमानदारी का पर्याय हैं। नीलांबर को लावारिस हालत में 45 लाख रुपए से भरा बैग प्राप्त हुआ था, जिसे उन्होंने एसएसपी रायपुर को लौटा दिया। ऐसे ईमानदार व्यक्तित्व समाज के लिए आदर्श हैं। हम सब इनको सलाम करते हैं।'

सावधानः कोरोना ने फिर बढ़ाई चिंता, सक्रिय मामले 1.52 लाख के पार, बीते 24 घंटों में 20 हजार से अधिक मामले, 36 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी ने एक बार फिर से लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी रविवार (24 जुलाई) के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 1,52,200 हो गई है जो कि कल की तुलना में 2100 अधिक है। वहीं बीते 24 घंटों में कोरोना के 20,279 नए मामले सामने आए हैं और 18,143 लोग स्वस्थ भी हुए। इस दौरान 36 मरीजों की जान भी चली गई। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,26,033 लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली में बढ़ने लगे कोरोना के मामले

दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 738 नए मामले सामने आए हैं और एक मरीज की मौत हुई है। वहीं संक्रमण दर 5.04 फीसदी हो गई है। दिल्ली में महामारी की शुरुआत से अब तक संक्रमण के 19,47,763 मामले सामने आ चुके हैं और 26,299 मरीजों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में शहर में कोविड के 2,489 मरीज उपचाराधीन हैं।

मुंबई में कोरोना के 266 नए मामले

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बीते 24 घंटों में कोरोना के 266 मामले सामने आए हैं और एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं शहर में संक्रमित पाए गए लोगों की संख्या बढ़कर अब 11.22 लाख हो गई है, जबकि अब तक 16 हजार 638 लोगों की मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र में कोरोना का हाल

महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में कोरोना के 2,336 नए मामले सामने आए हैं और पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य में महामारी की शुरुआत से अबतक मृतकों की तादाद 1,48,056 पर पहुंच गई है। राज्य में ठीक हो चुके कुल लोगों की कुल संख्या 78,69,591 हो गई है।

छत्तीसगढ़ में फिर डराने लगा कोरोना, 511 नए मरीज मिले, 1 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को प्रदेश में 511 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3830 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 621 रायपुर व 546 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। कोरोना से रायपुर में 1 की मौत भी हुई है। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने और वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

उत्तरकाशी में महसूस किए गए भूकंप के झटके, घरों और दुकानों से बाहर भागे लोग

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरकाशी में रविवार को 12:37 पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। करीब दो सेकंड के भूकंप का झटका लगते ही लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल गए।

रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि भूकंप से अभी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। जनपद मुख्यालय , मनेरी, मातली, जोशियाड़ा, भटवाड़ी क्षेत्रान्तर्गत भूकंप के झटके महसूस किए गए। अन्य तहसील क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस नहीं किए गए।

नेशनल पेरेन्ट्स डे

दीपक रंजन दास

आज राष्ट्रीय माता-पिता दिवस है। 'पेरेन्ट्स' एक ऐसा शब्द है जिसका हिन्दी में कोई पर्यायवाची नहीं है। हमें माता और पिता दोनों शब्दों का उपयोग करना पड़ता है। ऑनलाइन शब्दकोश से पूछें तो फटाक से अभिभावक बता देता है, पर यह पूरी तरह सही नहीं है। अभिभावक को अंग्रेजी में गार्जियन कहते हैं। अभिभावक माता-पिता हो सकते हैं पर ये जरूरी नहीं है। अभिभावक कोई भी हो सकता है जिसे यह जिम्मेदारी सौंपी गई हो। बहरहाल बात चल रही थी, माता-पिता दिवस की। 1994 में अमेरिका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने यह महसूस किया कि बच्चे अपने माता-पिता से कटते जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने जुलाई माह के चौथे रविवार को 'पेरेन्ट्स डे' मनाने की अपील लोगों से की। जल्द ही यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाने लगा। इस दिन बच्चे के जीवन में माता-पिता की भूमिका, उनके निःस्वार्थ प्रेम, तपस्या और समर्पण की सराहना की जाती है। यह संदेश देने का भी प्रयास किया जाता है कि जिस तरह उन्होंने अपनी संतान का ख्याल रखा, उसी तरह बच्चे भी तब उनका ख्याल रखें जब वे वृद्ध और अशक्त हो जाएं। अमेरिका के लिए यह एक नई बात भले ही हो, भारत के लिए यह सनातन परम्परा है। भारतीय परिवार बोध पश्चिम को हमेशा आकर्षित करता आया है। यह परिवार का समर्थन ही था जिसके चलते सदियों तक भारत ने कभी अनाथाश्रम या वृद्धाश्रम की जरूरत महसूस नहीं की। माता-पिता को खोने के बाद बच्चे चाचा, मामा या बुआ के यहां पल जाते थे। वृद्धों के पास अपना परिवार होता था, नाती-पोता से खेलते उनका बुढ़ापा गुजरता था। पर आधुनिक काल में एकल परिवारों का चलन बढ़ा है। गांव के बुजुर्ग कुछ वक्त आपस में बातें करके भी गुजारते थे। प्रत्येक गांव में इसके लिए चौपाल की व्यवस्था होती थी। अच्छा करियर की चाह बच्चों को महानगरों की तरफलेकर जा रहा है। छोटे शहरों में उनके माता-पिता अपने बनाए जेल में कैद पड़े हैं। बेशक, परिवार को साथ लेकर चलने वालों की सफलता ज्यादा ऊंचाइयों को नहीं छू पाती पर उनके जीवन में संतोष ज्यादा होता है। उनका जीवन कहीं अधिक परिपूर्ण होता है। पर वक्त तेजी से बदल रहा है। अब अपने इलाज और अपने बुढ़ापे का इंतजाम करते दो-तीन पीढ़ियां निकल चुकी हैं। अकेले भिलाई जैसे शहर में ही आधा दर्जन वृद्धाश्रम खुल चुके हैं। ऐसे में 'नेशनल पेरेन्ट्स डे' भारत के लिए प्रासंगिक हो चला है। वैसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक जून को ग्लोबल पेरेन्ट्स डे घोषित किया हुआ है। दोनों दिवसों का आशय एक ही है- बुजुर्गों को अकेला मत छोड़ो। एक समय था अमेरिका उत्साही युवाओं का, उद्यमियों का देश था। सभी केवल काम के बारे में सोचते थे। देश ने खूब तरक्की की। पर अब वहां भी बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है। अभी भारत युवाओं का देश है पर 20-25 साल में यह भी बूढ़ों का देश हो जाएगा। क्या हम तब के लिए तैयार हैं?

जीई फाउंडेशन की नेक पहलः शिक्षण सामग्री मिली तो खिल उठे बच्चों के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही सामाजिक संगठन गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन की वंचित समुदाय व शासकीय स्कूलों में सकारात्मक पहल का दौर जारी है। अपनी इसी पहल के अंतर्गत फाउंडेशन की ओर से सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित शासकीय प्राथमिक शाला (आमदी नगर) हुडको के सभी बच्चों को स्कूल बैग, ड्राइंग बुक, और पठन सामग्री वितरण किया।

बीते वर्षों की तरह इस वर्ष भी जीई फाउंडेशन शासकीय स्कूलों के बच्चों को जरूरत के हिसाब से स्कूल बैग, शूज, खेल सामग्री और नोटबुक का वितरण कर रहा है। शिक्षण सामग्री मिलते ही बच्चों के चेहरे खिल उठे। आमदी नगर स्कूल में पहुंची जीई फाउंडेशन की टीम का शालेय परिवार की ओर से स्वागत किया गया।

फाउंडेशन की ओर से संयोजक प्रदीप पिल्लई, के. विनोद व प्रकाश देशमुख ने उपस्थित बच्चों से चर्चा की तथा पढ़ाई के संबंधित जरूरी टिप्स दिए। वहीं फाउंडेशन के सदस्यों ने बच्चों से पूरी लगन से पढ़ाई करने व बेहतर अंक लाने का वादा लिया। स्कूल के प्रधान पाठक त्रिलोक सिंह ठाकुर व शिक्षिका तबीहा परवेज़ सहित अन्य लोग इस शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम में मौजूद थे।

संपादकीय

नीति नाकाम, गहरे दुष्परिणाम

जब महंगाई काबू में नहीं आ रही है, तो प्रश्न उठेगा कि आखिर ब्याज दर बढ़ाने की नीति का क्या हासिल है? इसका एक परिणाम यह है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम दर्जे के उद्योगों का संकट बढ़ गया है। ब्याज दर बढ़ाने की अपनाई गई नीति से अलग लगातार तीन तिमाहियों तक मुद्रास्फीति घट कर तय सीमा के अंदर नहीं आती है, तो आर्थिक जगत में इस नीति को नाकाम घोषित कर दिया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक की यह नीति दो तिमाहियों तक नाकाम रही है। खुद रिजर्व बैंक का अनुमान है कि अगली तिमाही में भी खुदरा महंगाई दर लगभग 7.5 प्रतिशत रहेगी। रिजर्व बैंक की मुद्रास्फीति नियंत्रण नीति के तहत इस दर को 2 से 4 फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य तय रहा है। 6 प्रतिशत मुद्रास्फीति को सहनशीलता की सीमा के अंदर माना जाता है। लेकिन पिछली दो तिमाहियों से ये दर 6 प्रतिशत के ऊपर है। चार फीसदी के ऊपर हुए तो 33 महीने गुजर चुके हैँ। तो अब यह प्रश्न उठेगा कि आखिर ब्याज दर बढ़ाने की नीति का क्या हासिल है? इसका एक परिणाम यह है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम दर्जे के उद्योगों का संकट बढ़ गया है।

> नोटबंदी और पेचीदा जीएसटी की मार के कारण पहले ही कमजोर हो चुके इस सेक्टर के सामने ये नई समस्या खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि 2019 में सरकार ने इस सेक्टर के बिजनेस को आसान शर्तों पर कर्ज देने की नीति खत्म कर दी थी। यानी अब उन्हें ऋण उसी दर पर मिलता है, जो रिजर्व बैंक रेपो रेट से तय होता है। तो अब विचारणीय प्रश्न है कि जब ब्याज दर बढ़ाने से महंगाई नहीं घट रही है, जबकि लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर उलटा असर हो रहा है, तब क्या इस नीति को जारी रखना बुद्धिमानी का काम है?

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बाजार में कॉमोडिटी की कीमत बढ़ने के कारण इन उद्योगों की इनपुट लागत बढ़ी है। जबकि बाजार में मांग ना होने की वजह से उनके लिए अपने उत्पादों की कीमत उसी अनुपात में बढ़ाना मुमकिन नहीं हो पा रहा है। अब ब्याज दर बढ़ने से कोरोना काल में आसान शर्तों पर लिए गए कर्ज को चुकाना भी महंगा हो गया है। तो ऐसी आशंकाएं बड़े पैमाने पर जताई जा रही हैं कि बड़ी संख्या में ऐसे कारोबार बंद हो सकते हैँ। नोटबंदी और पेचीदा जीएसटी की मार के कारण पहले ही कमजोर हो चुके इस सेक्टर के सामने ये नई समस्या खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि 2019 में सरकार ने इस सेक्टर के बिजनेस को आसान शर्तों पर कर्ज देने की नीति खत्म कर दी थी। यानी अब उन्हें ऋण उसी दर पर मिलता है, जो रिजर्व बैंक रेपो रेट से तय होता है। तो अब विचारणीय प्रश्न है कि जब ब्याज दर बढ़ाने से महंगाई नहीं घट रही है, जबकि लाखों लोगों की रोजी-रोटी पर उलटा असर हो रहा है, तब क्या इस नीति को जारी रखना बुद्धिमानी का काम है?

जगदीप धनखड़ः सही पसंद

भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मु को उम्मीदवार बनाया और अब उप-राष्ट्रपति पद के लिए जगदीप धनकड़ का नाम घोषित हुआ है। दोनों उम्मीदवारों को मंत्री और राज्यपाल रहने का अनुभव है लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि इन दोनों को इन सर्वोच्च पदों के लिए चुनते हुए भाजपा नेताओं ने किस बात का ध्यान रखा है? वह बात है वंचितों के सम्मान और वोट बैंक की!

एक उम्मीदवार देश के समस्त आदिवासियों को भाजपा से जोड़ेगा और दूसरा समस्त पिछड़ों को! यह देश के आदिवासियों और पिछड़ी जातियों में यह भाव भी भरेगा कि वे लोग चाहे सदियों से दबे-पिसे रहे लेकिन यदि उनके दो व्यक्ति भारत के सर्वोच्च पदों पर पहुंच सकते हैं तो वे भी जीवन में आगे क्यों नहीं बढ़ सकते? किसान-पुत्र धनकड़ के उप-राष्ट्रपति बनने की घटना देश के किसानों में नई उमंग जगाए बिना नहीं रहेगी। इसके अलावा पं. बंगाल, झारखंड और उड़ीसा के आदिवासियों को भाजपा की तरफ खींचने में और ममता बनर्जी के वोट बैंक में सेंध लगाने में ये दोनों पद कोई न कोई भूमिका जरुर निभाएंगे।

जगदीप धनकड़ की उपस्थिति का लाभ भाजपा को राजस्थान, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में भी मिलेगा। धनकड़ उपराष्ट्रपति के रूप में राज्यसभा के अध्यक्ष होंगे। यह शायद पहला संयोग होगा कि लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला और राज्यसभा के अध्यक्ष धनकड़ एक ही राज्य राजस्थान के होंगे। यह तथ्य राजस्थान की कांग्रेस सरकार के लिए चुनौती भी बन सकता है। धनकड़ को विधायक, सांसद और केंद्रीय मंत्री रहने का अनुभव भी है।

वे जनता पार्टी और कांग्रेस में भी रह चुके है। उन्हें उप-राष्ट्रपति पद पर भाजपा बिठा रही है, इससे यह सिद्ध होता है कि भाजपा अपने दरवाजे बड़े कर रही है। वे यदि अपनी विनम्रता के लिए जाने जाते हैं तो उनकी स्पष्टवादिता भी सर्वज्ञात है। उनके जितने दो-टूक राज्यपाल देश में कितने हुए हैं? पं. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जितनी खुली खिंचाई धनकड़ ने की है, क्या कोई अन्य राज्यपाल किसी मुख्यमंत्री की कर पाया है? इसीलिए उन्हें 'जनता का राज्यपाल' कहा जाता है।

पिछले साल जब जगदीपजी ने मेरे खातिर अपने राजभवन में प्रीति-भोज आयोजित किया तो मैंने अपने कोलकाता के सभी खास मित्रों को आमंत्रित किया। उसमें भाजपाइयों और संघियों के अलावा कांग्रेसी, ममता के तृणमूली और कुछ पत्रकार भी थे। उन्हें देखकर राज्यपाल ने कुछ लोगों को कहा कि आप लोगों से मैं बहुत नाराज हूं लेकिन आप वैदिकजी के मित्र हैं, इसलिए आपका विशेष स्वागत है। कौन कहेगा, ऐसी दो-टूक बात?

धनकड़ राजस्थान के किसान परिवार के बेटे हैं लेकिन उन्होंने अपनी योग्यता के बल पर अपनी वकालत की धाक सर्वोच्च न्यायालय तक में जमा रखी थी। पं. बंगाल में इस बार भाजपा विधायकों की संख्या 3 से बढ़कर 71 हो गई। इसक बड़ा श्रेय राज्यपाल जगदीप धनकड़ को भी है। मुझे विश्वास है कि अब राज्यसभा का सदन ज़रा बेहतर और अनुशासित ढंग से काम करेगा। धनकड़ की जीत तो सुनिश्चित है ही, उनके सदव्यवहार का असर हमारे विपक्ष पर भी देखने को मिलेगा।

वेद प्रताप वैदिक

> आज भी हालात कोई बेहतर नहीं हैं, मगर बिखरा हुआ विपक्ष इन पर कोई सार्थक आवाज नहीं उठा पा रहा। इससे आम आदमी की नजर में उनकी विश्वसनीयता और गिरती जा रही है। चलते-चलते यहां द्रौपदी मुर्मू जी को दिल से बधाई और एक विनम्र निवेदन! आप जो कुरसी संभालने जा रही हैं, वह गरिमा के साथ उम्मीदें भी पैदा करती है। उम्मीद है, आप उन पर खरा उतरेंगी।

मुर्मू विजय का मर्म समझिए

शशि शेखर

द्रौपदी मुर्मू और राष्ट्रपति भवन में बस एक औपचारिक शपथ-ग्रहण की दूरी रह बची है। वह भारत की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होंगी। उन्हें यहां तक पहुंचाकर भाजपा ने एक तरह से राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी का सपना पूरा किया है। गांधी चाहते थे कि कोई दलित महिला आजाद भारत की पहली राष्ट्रपति बने।

राष्ट्रपति का पद भले ही गैर-राजनीतिक माना जाता हो, पर इसका चुनाव समूचे सियासी गुणा-भाग से होता है। जब भारतीय जनता पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा की, उस दिन 23 पार्टियों वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पास 48.64 प्रतिशत वोट थे। इनमें अकेले भाजपा की हिस्सेदारी 40 फीसदी की थी। इससे जूझने के लिए प्रतिपक्ष के पास महज 35.47 प्रतिशत वोट थे। तय था कि बिना सियासी तोड़-फोड़ के कोई भी राष्ट्रपति नहीं बन सकता। मोदी, शाह और नड्डा की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी से बेहतर इस खेल को भला कौन जानता है? कर्नाटक से महाराष्ट्र तक इसके प्रमाण बिखरे हुए हैं। नवीन पटनायक की अगुवाई वाले बीजू जनता दल और जगन मोहन रेड्डी की वाईआरएस कांग्रेस पार्टी जैसे पहले से बेताब बैठी थी। जगन रेड्डी तो नए हैं, पर पिछले चुनाव में भी बीजू जनता दल ने एनडीए के ही समीकरण साधे थे। यूपीए के साथी दो दल, झारखंड मुक्ति मोर्चा और शिवसेना को अलग-अलग मजबूरियों से द्रौपदी मुर्मू की महागाथा में हिस्सेदारी निभानी पड़ी।

चुनाव तक साफ हो चुका था कि कुलजमा 44 पार्टियां मुर्मू, तो 34 यशवंत सिन्हा के समर्थन में हैं, पर असली खेल बाकी था। मतदान के दिन कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दलों के लोगों ने खुलकर 'क्रॉस वोटिंग' की। यशवंत सिन्हा ने अंतरात्मा की आवाज पर वोटिंग की अपील की थी। ऐसा करते वक्त वह भूल गए थे कि राजनीति में 'अंतरात्मा' के बजाय अपना स्वार्थ अधिक महत्व रखता है। राष्ट्रपति का चुनाव इसका सबसे ताजा और ज्वलंत उदाहरण है। इस मतदान में गठबंधनों की एकता और सियासी प्रतिबद्धताएं सिर्फ कोरा नारा साबित हुईं।

बात छिड़ गई है, इसलिए बताने में हर्ज नहीं। राष्ट्रपति चुनाव में 'अंतरात्मा की आवाज' पर मतदान का शोशा इंदिरा गांधी की ईजाद था। 1969 में उन्होंने खुद को असली कांग्रेस साबित करने के लिए यह नारा उछाला था। उनका सूरज चढ़ रहा था, लिहाजा यह तरकीब काम कर गई। उनके उम्मीदवार वराहगिरी वेंकट गिरी सियासी खलीफा नीलम संजीव रेड्डी को पछाड़ने में कामयाब रहे। गौरतलब है कि सिन्हा ने जब इस नारे को बुलंद किया, तो उनका और उनके समर्थकों का पारा ऊपर नहीं, नीचे जाता दिख रहा था। यही वजह है कि द्रौपदी मुर्मू को 64.03 प्रतिशत और यशवंत सिन्हा को सिर्फ 35.97 फीसदी मत मिले।

आप यदि पिछले तीन राष्ट्रपति चुनावों का ब्योरा उठाकर देखें, तो पाएंगे कि 2007 में प्रतिभा देवी सिंह पाटिल रही हों, या 2012 में यूपीए के प्रणब मुखर्जी अथवा 2017 में एनडीए के रामनाथ कोविंद, हर बार उसी को देश का प्रथम नागरिक बनने का गौरव हासिल हुआ, जिसे दिल्ली दरबार ने चुना था। तीनों बार विजेता को 65 से 70, तो पराजित को 30 से 35 फीसदी मत मिले। मौजूदा राष्ट्रपति चुनाव भी इसका अपवाद नहीं साबित हुआ। आप चाहें, तो यहां अंत:पुर की छल, बल और कपट से भरी कहानियों को याद कर सकते हैं। हालांकि, इससे राजनेताओं को कोई फर्क नहीं पड़ता।

इस चुनाव ने विपक्षी एकता के पैरोकारों की एक बार फिर मिट्टी पलीद कर दी है। कांग्रेस ने जान-बूझकर खुद को नेपथ्य में रखा था। कमान शरद पवार और ममता बनर्जी के हाथों में सौंप दी गई थी। यशवंत सिन्हा तृणमूल की पसंद थे। आपको याद होगा, कुछ महीने पहले ममता बनर्जी दिल्ली आकर विपक्ष के तमाम दिग्गजों से मिल रही थीं। उस समय उनके अलमबरदारों ने डुगडुगी बजाई थी कि वह गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेसी विपक्ष की सर्जना में जुटी हैं। 2024 का चुनाव उनका होगा। वह बुलबुला तो तभी फूट गया था, पर रही-बची कसर इस चुनाव ने पूरी कर दी। वजह? शिवसेना में बगावत से शरद पवार महाराष्ट्र में सिमटकर रह गए और ममता बनर्जी अभी तक राष्ट्रीय अपील बनाने में सफल नहीं साबित हुई हैं।

फिर बीजू पटनायक और जगनमोहन तो हैं ही। वे अपने प्रदेश से भाजपा को दूर रखना चाहते हैं। उन्हें भाजपा जैसे मजबूत विपक्ष के बजाय एक कमजोर एनडीए और बिखरी हुई कांग्रेस चाहिए। जगन ने तो अभी यह राह चुनी है, पर नवीन पटनायक पिछली पांच अवधियों से इसी तरह चुनाव जीतते चले आ रहे हैं। वह दिल्ली के सिंहासन से सीधा टकराव मोल न लेकर भुवनेश्वर की अपनी गद्दी सुरक्षित रखने में भला समझते आए हैं। क्या यह दांव हमेशा कारगर रहेगा? अगले चुनाव में आंध्र और ओडिशा में इसकी परीक्षा होगी। अब उप-राष्ट्रपति प्रत्याशी और चुनाव पर आते हैं। एनडीए ने जगदीप धनखड़ को चुना, जबकि कांग्रेस ने अपनी पुरानी नेता मार्गेरट अल्वा पर दांव लगाया। धनखड़ ने अब तक कुलजमा एक विधानसभा और एक लोकसभा चुनाव जीता है। इसके मुकाबले अल्वा सिर्फ एक बार जनता के जरिये चुनकर आई हैं। वह नेहरू-गांधी परिवार की करीबी होने के कारण लंबे समय तक तमाम पदों को सुशोभित करती रही हैं। उनका सियासी कद बड़ा है, पर वह कुछ सालों से चर्चा से दूर थीं। अगर आप राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनावों के प्रत्याशियों पर नजर डाल देखें, तो एक अद्भुत विषमता नजर आएगी। भाजपा ने आने वाले चुनावों के मद्देनजर जमीनी नेताओं का चयन किया है। इसके मुकाबले यूपीए के उम्मीदवार संभ्रांत और लुटियन दिल्ली के बाशिंदे हैं। भद्रलोक और आमजन के बीच की चुनावी खाई 2014 के बाद से सायास चौड़ी हुई है। इससे निपटने का यह चुनाव एक मौका था, जिसे विपक्ष ने गंवा दिया। द्रौपदी मुर्मू का चयन एनडीए के पक्ष में 554 आदिवासी बहुल विधानसभा और 47 लोकसभा सीटों पर असर डाल सकता है। कोविंद ने भी पांच साल पहले ऐसा ही फायदा पहुंचाया था। रही बात धनखड़ की, तो आने वाले राजस्थान चुनावों के साथ हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इसका असर दीखेगा। जाट यह आरोप नहीं लगा सकेंगे कि दिल्ली का सिंहासन उनके साथ इंसाफ नहीं करता है। क्या अल्वा को कांग्रेस ने कर्नाटक और समूचे दक्षिण को संदेश देने के लिए चुना है? मीरा कुमार पिछले राष्ट्रपति चुनाव के बाद कारगर नहीं साबित हुई थीं। बुजुर्ग अल्वा क्या मनोरथ सिद्ध कर पाएंगी?

अपने इन्हीं अंतरविरोधों के कारण विपक्ष अपनी भूमिका निभाने में नाकाम रहा है। आप चाहें, तो याद कर सकते हैं, 2013-14 में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने महंगाई, रुपये की कीमत में गिरावट और सीमाओं के रख-रखाव जैसे तमाम मुद्दों पर मनमोहन सिंह सरकार की छीछालेदर कर डाली थी। आज भी हालात कोई बेहतर नहीं हैं, मगर बिखरा हुआ विपक्ष इन पर कोई सार्थक आवाज नहीं उठा पा रहा। इससे आम आदमी की नजर में उनकी विश्वसनीयता और गिरती जा रही है। चलते-चलते यहां द्रौपदी मुर्मू जी को दिल से बधाई और एक विनम्र निवेदन! आप जो कुरसी संभालने जा रही हैं, वह गरिमा के साथ उम्मीदें भी पैदा करती है। उम्मीद है, आप उन पर खरा उतरेंगी।

कमियों को मात देकर आगे बढ़ना ही जिंदगी

रेशम तलवार, गायिका

सूरदास साहित्य में चाहे जितने सराहे गए हों, लोक में उनका नाम 'तिरस्कार' का ही पर्याय बना रहा। 21वीं सदी के इस मोड़ पर भी तथाकथित सभ्य समाजों ने शारीरिक विकार के शिकार लोगों के लिए संबोधन तो बहुत प्यारे-प्यारे गढ़े, पर उनके व्यवहार में कोई खास फर्क नहीं आया। लेकिन सारी सामाजिक विद्रूपताओं से लड़ते हुए अपनी छोटी-सी उम्र में रेशम तलवार ने एक प्रेरक मिसाल कायम की है कि दिव्यांग भी जीने का सलीका जानते हैं और अगर अपने साथ दें, तो वे भी कमाल कर सकते हैं।

उम्र के 25वें पड़ाव पर खड़ी दिल्ली की रेशम को कुदरत ने आंखें तो दी थीं, मगर वह उनमें रोशनी डालना भूल गई। बेटी की पैदाइश पर रिया और रविंदर तलवार बहुत खुश हुए थे, बेटे रवीश के बाद रेशम की आमद से उनका परिवार जो मुकम्मल हो गया था। लेकिन जब डॉक्टरों ने बताया कि नवजात बच्ची दृष्टि बाधित है, तो उन्होंने अपनी उस पीड़ा को अपने भीतर ही जज्ब कर लिया, ताकि उस मासूम जान को वे दुनिया की हिकारत भरी निगाहों से बचा सकें। पर सच्चाई कितने दिनों तक ओझल रहती? बहरहाल, माता-पिता और बड़े भाई की नजरों से नन्ही रेशम ने जिंदगी को टटोलना-समझना शुरू किया। यह तो कभी मापा ही नहीं जा सकता कि इसके लिए कितने धैर्य, कितनी करुणा की जरूरत पड़ती है, लेकिन तलवार परिवार ने बेटी को कभी स्नेह की कमी नहीं महसूस होने दी।

माता-पिता ने तय किया कि बेटी को खुदमुख्तार बनाना होगा, ताकि वह एक गरिमामय जिंदगी जी सके। इसके लिए उसे नियमित शिक्षा दिलाने के साथ-साथ उसमें दुनिया का सामना करने लायक साहस भी भरना था। जाहिर है, रेशम के लिए ब्रेल लिपि सीखना बहुत जरूरी था। नन्ही बच्ची अकेली न पड़ जाए, इसलिए मां ने खुद भी उसके साथ ब्रेल लिपि सीखी। उन्हें कदम-कदम पर बेटी का साथ देना था। ब्रेल लिपि सीखने के बाद स्कूल में दाखिला मिलने में खास दिक्कत नहीं हुई। लेकिन जब दुनिया से सामना हुआ, तो उसकी खामियों से भी साबका पड़ना ही था। स्कूल के सहपाठी तो नादान थे, उनके गैर-संजीदा व्यवहार की शिकायत कोई क्या करता, तकलीफ तो तब होती थी, जब कोई शिक्षक या करीबी रिश्तेदार मर्म पर वार कर जाता। ऐसा अक्सर होता कि घर आया कोई करीबी संबंधी रेशम के दृष्टिदोष को लेकर सहानुभूति जताते हुए माता-पिता को यह

एहसास कराने की कोशिश करता कि उन्हें तो अब उम्र भर अपनी बेटी की देखभाल करनी है। यह सब पूरे परिवार को दुखी कर देता था। कई बार शिक्षक भी धैर्य गंवा देते थे। सहपाठी नोट्स साझा करने से आनाकानी करते, तो शिक्षक अतिरिक्त वक्त देने से, लेकिन घर पहुंचने पर मां जैसे सारे जख्मों पर स्नेह का मरहम रख देती थीं। कक्षा में पिछड़ने का जो एहसास दिमाग पर सवार होकर घर चला आता था, मां-पिता व भाई का दुलार उसे मिनटों में धो देता और एक नई ऊर्जा के साथ रेशम पढ़ने में जुट जातीं। वह पढ़ने में हमेशा ही एक अच्छी छात्रा रहीं और यही कारण है कि 10वीं की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए सीबीएसई ने उन्हें 'इंदिरा अवॉर्ड' से पुरस्कृत किया था।

रेशम के माता-पिता संगीत की दुनिया से जुड़े रहे हैं, इसलिए घर का माहौल भी संगीतमय रहा। मां जागरण, देवी की चौकी आदि में गाया करती हैं, तो पिता संगीत तैयार करते हैं। रेशम ने बचपन से ही मां को हारमोनियम पर रियाज करते देखा था, लेकिन बेटी की संगीत-प्रतिभा से माता-पिता तब तक बेखबर रहे, जब तक कि उसने स्कूल प्रतियोगिता में खिताब न जीत लिया। उस वक्त रेशम सिर्फ 10 साल की थीं। तब मां को लगा कि रेशम को संगीत की औपचारिक शिक्षा दिलानी चाहिए। गुरु की तलाश हुई और पंडित सोमनाथ शर्मा के यहां रेशम ने शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू कर दिया। हालांकि, तब भी माता-पिता का आग्रह यही था कि रेशम अपनी अकादमिक शिक्षा पूरी करें। लेकिन वह तमाम प्रतियोगिताओं में शिरकत करती रहीं।

बारहवीं करने के बाद रेशम दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज पहुंचीं। अब तक वह गीत-संगीत, रिकॉर्डिंग के क्षेत्र में करियर बनाने को लेकर गंभीरता से सोचने लगी थीं। कॉलेज के दोस्तों ने भी अलग अंदाज में उन्हें व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। वे कॉलेज के सभी सांस्कृतिक आयोजनों, महोत्सवों में न सिर्फ रेशम का नाम शामिल कराते, बल्कि उन्हें स्टार सिंगर के तौर पर पेश भी करते। इन कार्यक्रमों ने रेशम के भीतर एक अपूर्व आत्मविश्वास पैदा किया और वह सारेगामापा, इंडियल आइडल जैसे मशहूर रियलिटी कार्यक्रमों में भी गईं। हालांकि, इन बड़े मंचों पर उनका सफर छोटा रहा, मगर वहां से हासिल अनुभव और नाम ने उन्हें सैकड़ों कार्यक्रमों में गाने का मौका दिलाया। यही नहीं, रेशम ने अपनी प्रतिभा का विस्तार करते हुए जन्मदिन और शादी की सालगिरह जैसे मौकों पर लोगों के लिए 'जिंगल' रचने का काम भी शुरू कर दिया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में मास्टर रेशम तलवार इन दिनों 'वॉयसओवर' कलाकार के तौर पर अपने को स्थापित करने में जुटी हैं। उन्होंने कई मशहूर उत्पादों के विज्ञापनों को अपनी आवाज दी है और कई प्रोजेक्ट पर अभी काम कर रही हैं। बकौल रेशम, 'अगर अपनों का साथ हो और आपकी कोशिश ईमानदार हो, तो कोई एक कमी आपकी राह कभी नहीं रोक सकती।'

हम सबने अपने नसीब को कोसते हुए लोगों को खूब देखा है, लेकिन रेशम तलवार जैसे लोगों का संघर्ष, आत्मविश्वास और कामयाबी बताती है कि जिंदगी को बहानों की नहीं, बहादुरी की जरूरत होती है।

प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

तो आबादी में विश्वगुरूता!

हरिशंकर व्यास

क्या भारत और मोदी सरकार को पता था कि हम अगले साल ही जनसंख्या में दुनिया के नंबर एक हो जाएंगे? चीन से आगे हो जाएंगे! मैं अपने अनुमानों में अपने लेखन में 140 करोड़ लोगों का जुमला इस्तेमाल करता रहा हूं। पर मुझे भी अंदाज नहीं था कि सन् 2023 में ही भारत की आबादी 140 करोड़ लोगों से अधिक हो जाएगी। चीन पीछे हो जाएगा! विश्व जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र का ताजा आकलन चौंकाने वाला है। चीन की 131 करोड़ आबादी के मुकाबले भारत को भविष्य के सिनेरियो के अनुसार सन् 2050 में 166 करोड़ लोगों का पेट भरना है। इसे हम बच्चे पैदा करने में अपनी विश्वगुरूता मानें या सब रामभरोसे होने के भारत यथार्थ की त्रासदी मानें? सवाल का जवाब हम भारतीयों के बस की बात नहीं है। इसलिए कि किसी के लिए आबादी मुसलमानों के बढ़ने का खतरा है तो किसी के लिए इससे पांच खरब डॉलर की आर्थिकी का सपना साकार होना है। तो अंबानियों-अडानियों के लिए लोगों को लूटने की अनंत संभावनाएं हैं।

अपनी कसौटी एक भारतीय के जीवन की नारकीयता है। 140 करोड़ लोगों में से यदि आज 80 करोड़ लोग महीने के पांच किलो फ्री राशन और कोई 20-25 करोड़ किसान आदि सालाना छह हजार रुपए की नकदी की खैरात व पेंशन आदि से जिंदगी जी रहे हैं, मतलब 100 करोड़ लोग भूखे-बेरोजगार-अर्ध बेरोजगारी व छोटी-छोटी जरूरतों के लिए तड़पता जीवन जी रहे हैं तो भविष्य के 166 करोड़ लोगों में तब कितने करोड़ लोग ऐसी ही अवस्था में होंगे? 125 करोड़ या डेढ सौ करोड़ लोग? यह सवाल इसलिए है क्योंकि लोगों का काम-धंधा और आर्थिकी जिस दिशा में बढ़ती हुई है वह दिशा अगले दस साल भी रहेगी और तब तक यदि पानीपत की अंदरूनी लड़ाई सड़कों पर शुरू हो गई तब क्या होगा?

यह सवाल डराने या नकारात्मकता में नहीं है, बल्कि इस सच्चाई में है कि भारत का प्रधानमंत्री हो या सरकार या मुख्यमंत्री या राजनीतिक दल और देश का नैरेटिव, मीडिया सभी भारत की आबादी को अपने-अपने वोट बैंक में बांटे हुए हैं। गौर करें कि आबादी में भारत के नंबर एक बनने की ओर बढ़ने की खबर पर देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्या टिप्पणी की? जाहिर है भारत में आबादी का बढ़ना विभाजकता को बढ़ाने वाला है। लड़ाई बनवाने वाला है। हिंदू और मुसलमान लोगों की संख्या के आकार में ही हर जिले, हर चुनाव क्षेत्र में राजनीति होनी है। इसलिए आबादी का मतलब वह नासूर भी है, जिससे आगे कलह की सौ फीसदी गारंटी है!

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. दक्षिणकर, कर्नल की मानद उपाधि से हुए अलंकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एन.पी.दक्षिणकर को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय कैडेट कोर में कर्नल की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया। वर्तमान में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश में इस रैंक से ये एकमात्र कुलपति को इस उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान ब्रिगेडियर ए.के. दास विशिष्ट सेवा मेडल ग्रुप कमांडर एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय रायपुर (छ.ग.) द्वारा प्रदत किया गया।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय के सभागार में कर्नल तुषार उपासनी, कमान अधिकारी 01 सी.जी.आर.एण्ड व्ही. रेजिमेंट अंजोरा दुर्ग, कर्नल हेमंत दुबे कमान अधिकारी 37 बटालियन, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.आर.के. सोनवाने, कार्यकारी अधिष्ठाता डॉ.के.एम.कोले, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी, एन.सी.सी. अधिकारी एवं एन.सी.सी. के छात्रों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यकारी अधिष्ठाता डॉ.के.एम.कोले ने अध्यक्षीय भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कुलपति डॉ एन.पी.दक्षिणकर को यह उपाधि एन.सी.सी. के प्रति प्रतिबद्धता, विशिष्ट सहयोग एवं मार्गदर्शन के कारण ही संभव हो पाया। उपाधि से सम्मानित होने उपरांत कुलपति डॉ.एन.पी.दक्षिणकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि एन.सी.सी. के माध्यम से छात्रों में देश के प्रति देशहित में काम करना, सहनशीलता, कार्य के प्रति जवाबदारी एवं विश्वसनीयता तथा देशभक्ति की भावना जागृत होती है।उन्होंने कहा कि ष्मुझे कर्नल उपाधि प्राप्त होने से एन.सी.सी. के प्रति मेरी जवाबदेही और बढ़ गई है। निकट भविष्य में वेटनरी के पाठ्यक्रम में एन.सी.सी. को आवश्यक विषय के रूप में मान्यता दिए जाने हेतु प्रयास जारी है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर ए.के.दास ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए यह गर्व का विषय है कि मैं इस ऐतिहासिक समारोह में शामिल हुआ। हम सभी का यह कर्तव्य है कि जो इस मिट्टी से हमें मिला है हमें इस मिट्टी को देकर जाना है। इस समारोह में ब्रिगेडियर ए.के. दास विशिष्ट सेवा मेडल ग्रुप कमांडर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, रायपुर (छ.ग.) द्वारा एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट किरण कुमारी तथा लेफ्टिनेंट राजकुमार गड़पायले को ग्रुप कमांडर कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया। समारोह उपरांत अतिथियों द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट किरण कुमारी तथा लेफ्टिनेंट राजकुमार गड़पायले द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रशासनिक सेवक बनने का सपना चंचल की आंखों में

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना से मिली 20 हजार रूपए की राशि देगी उसके हौसलों को उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। उत्साही और दृढ़ निश्चय वाली चंचल बिजौरा ने अपने हौसलों से उड़ान भरने की तैयारी कर ली है, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजनांतर्गत मिले 20 हजार रूपए की राशि उसके बैंक खाते में आ गई है। जिसे वो अपने कॉलेज के पढ़ाई के लिए जमा कर रखना चाहती हैं। लड़कपन के उम्र में भी इस लड़की को अपने भविष्य को लेकर होने वाली चिंता उसे दूसरों से अलग करती है। चंचल प्रशासनिक सेवा में आकर शासन की जनहितैशी योजनाओं का हिस्सा बनना चाहती है। वो चाहती है कि हर जरूरत मंद का सपना हकीकत बने। आंखों में प्रशासनिक सेवा का सपना लिए चंचल कहती है कि सपना ही देखना है तो बड़ा क्यों नहीं, जब तक आप बड़ी लकीर खींचने की कल्पना नहीं करेंगे तब तक छोटी लकीर भी खींच सकते। आज शासन की नोनी सशक्तिकरण योजना लड़कियों को ऐसा हौसला दे रही है कि बिना पंख के भी वो उड़ने के लिए तैयार हैं। कोई आई.ए.एस. बनना चाह रहा है तो कोई शिक्षक बन कर समाज को एक नई दिशा देना चाह रहा है।

राज्य शासन ने महिला सशक्तिकरण को केन्द्रित रखकर इस गणतंत्र दिवस पर जिले की 09 बालिकाओं के खाते में 1 लाख 80 हजार रूपए की राशि डाली। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना से लाभान्वित होने वाले हितग्राही चंचल बिजौरा, सोनिया, अमृता साहू, वर्षा, श्वेता, पायल, माही अमृत, मुस्कान, डिम्पल, नेहा है जिन्होंने शासन को उनके इस सहयोग के लिए अभार व्यक्त किया है। 92 लाख 40 हजार रूपए की राशि से लाभान्वित हुए हैं 462 हितग्राही- मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत् पात्र 462 हितग्राहियों की पुत्रियों को जिले में 92 लाख 40 हजार रूपए की राशि के साथ लाभान्वित किया जा चुका है। इस राशि को सीधे श्रमिक परिवारों के बैंक खाते में ट्रांजेक्शन कर उनकी बेटियों को शासन सशक्त और आत्म निर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इससे परिवार को शिक्षा के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं और श्रमिकों के बेटियों की शादी में भी यह राशि उनके परिवारिक दायित्व के बोझ को भी कम कर रही है।

खास खबर

बाबूजी ने सिखाया नि:स्वार्थ सेवा करना : ज्योत्सना

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा स्व. बिसाहू दास महंत की 44वें पुण्यतिथि के अवसर पर बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा संस्थान से सम्बद्ध जिला चिकित्सालय में आयोजन किए गए। यहां सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अविनाश मेश्राम, मेडिकल अधीक्षक डॉ. गोपाल कंवर आदि के द्वारा स्व. बिसाहू दास महंत के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन किया गया। सांसद ने इस अवसर पर कहा कि स्व. बिसाहूदास महंत जी को कोरबा जिला, जांजगीर जिला सहित पूरा छत्तीसगढ़ याद करता है। उनसे हमने नि:स्वार्थ सेवा करना सीखा है। महंत परिवार कोरबा और जांजगीर जिले की जनता का ऋणी हैं। बाबू जी के कुछ सपने अधूरे थे जिन्हें पूरा करने का काम उनके पुत्र कर रहे हैं। जब डॉ. महंत कोरबा लोकसभा के सदस्य रहे तब उनका मेडिकल कॉलेज स्थापना का सपना था, उसे मैं पूरा करने में लगी हूं। कोरबा जिले के मेडिकल कॉलेज में पढ़कर हमारे बच्चे डॉक्टर बनें और अपने जिले व राज्य में सेवा दें। स्वास्थ्य, शिक्षा की सेवाएं समाज के लिए काफी जरूरी है जिन्हें पूरा करने का काम महंत परिवार बाबू जी के बताए मार्ग पर चलकर कर रहा है। सांसद ने उपस्थित युवाओं से कहा कि माता-पिता का ऋण हम कभी भी नहीं उतार सकते लेकिन उनके नाम को आगे बढ़ाना हमारा आदर्श होना चाहिए। अपने कार्यों से माता-पिता नाम रोशन करें और उनको इस धरती पर जाने के बाद भी जीवित रख सकें। इस अवसर पर अस्पताल के मरीजों एवं उनके परिजनों को मिष्ठान व भोजन आदि का वितरण किया गया। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. आरके सक्सेना, महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष दिनेश सोनी ने विशेष तौर पर उपस्थित रहकर सहयोग दिया।

संभागायुक्त कावरे ने डोंगरगांव तहसील के कार्यालय में दी दबिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

पटवारी कार्यालय में किया ऋण पुस्तिका का वितरण व लंबित आवेदनों के कार्रवाई में तेजी लाने के दिए निर्देश

राजनांदगांव। संभागायुक्त दुर्ग महादेव कावरे द्वारा आज राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव तहसील अन्तर्गत अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय डोंगरगांव, तहसील कार्यालय डोंगरगांव एवं पटवारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिस दौरान कार्यालय में सभी शाखाओं में संबंधित कर्मचारी के टेबल में नेम प्लेट नहीं पाए जाने पर श्री कावरे ने श्री नायक अनुविभागीय अधिकारी एवं श्री ध्रुव तहसीलदार को 3 दिवस के भीतर नेम प्लेट रखे जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम डोंगरगांव तहसील कार्यालय में निरीक्षण के दौरान श्री कावरे ने वहां उपस्थित ग्रामीणों एवं पक्षकारों से चर्चा की जिस दौरान वहा उपस्थित ग्राम बगदई के ग्रामीण श्री राजेन्दर सिंह ने बताया गया कि उनके द्वारा फर्द बंटवारा का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिस पर श्री कावरे ने वहां उपस्थित तहसीलदार श्री कोमल धुव को तत्काल कार्रवाई किए जाने हेतु निर्देशित किया। कार्यालय में शाखाओं के निरीक्षण के दौरान श्री कावरे ने डब्ल्यू.बी.एन शाखा मे संधारित होने वाली पंजीयो बी-4, बी-7, पी-2, वर्गीकरण पंजी का अवलोकन किया, जिसमें विविध राजस्व की वसूली होना शेष पाया गया एवं पंजियों का अद्यतन नहीं होना पाया गया। जिस पर श्री कावरे द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं संबंधित कर्मचारी श्रीमती बिलकीस खान को 15 दिवस के भीतर इसे पूर्ण करने के निर्देशित किया गया। इसी प्रकार कानूनगों शाखा में संधारित किए जा रहे पंजियों का निरीक्षण किया। जिसमें पटेली पंजी, सर्किल नोटबुक के लंबे समय से अद्यतन नही पाए जाने साथ ही अभिलेखों के अव्यवस्थित रख-रखाव पर संभागायुक्त द्वारा संबंधित कर्मचारी शरद जोशी के वेतन वृद्धि रोके जाने के निर्देश दिए।

लोक सेवा गारंटी अंतर्गत लंबित आवेदनो का त्वरित करें निराकरण-

श्री कावरे ने तहसील डोंगरगांव में लोक सेवा गारंटी अंतर्गत 2798 लंबित आवेदन होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की एवं वहां उपस्थित संबंधित अधिकारी श्री कोमल धुरुव तहसीलदार डोंगरगांव को एवं श्री अशोक सिंह राजपूत नायब तहसीलदार को फटकार लगाते हुए इस पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार न्यायालय तहसीलदार में 260 प्रकरण एवं न्यायालय नायब तहसीलदार तुमड़ीबोड़ में 127 प्रकरण लबित पाया गया। जिस पर संभागायुक्त ने पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित किया एवं प्रकरणों में सुनवाई पूर्ण हो चुके आवेदनों में आदेश पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने लोक सेवा केन्द्र डोंगरगांव में दर्ज आवेदनों के अवलोकन के दौरान ड्रायविंग लायसेंस के लंबित आवेदन पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का निराकरण किसी भी परिस्थिति में समय सीमा के भीतर ही कर लिया जाये। संभागायुक्त श्री कावरे ने डोंगरगांव तहसील के पटवारी हल्का नं 23 एवं 24 का भी निरीक्षण किया। जिस दौरान वहां उपस्थित ग्राम सेवताटोला के ग्रामीण श्री कमल द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा ऋण पुस्तिका में रिकार्ड अद्यतीकरण का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर तत्काल अद्यतीकरण उपरांत संभागायुक्त द्वारा आवेदक को ऋण पुस्तिका प्रदान की गई। संभागायुक्त द्वारा डोंगरगांव तहसील के अधिवक्ताओं भेंट कर न्यायालयीन प्रक्रियाओं के निराकरण के संबंध में चर्चा की।

इस पर उपस्थित अधिवक्ता सतीश कुमार पाण्डेय, प्रवीण चन्द्रवंशी, ओम प्रकाश पाठक एवं श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर व शफीर अहमद खान ने न्यायालय के कार्यप्रणाली पर संतुष्टता व्यक्त की एवं परिसर में बैठक व्यवस्था एवं पेयजल की मांग रखी। जिस पर श्री कावरे ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया।

हर घर में लहराएगा तिरंगा, कलेक्टर ने राष्ट्रध्वज लगाने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चाम्पा। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 11 से 17 अगस्त 2022 तक हर घर झण्डा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिले में इस कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने अधिकारियों को विशेष तैयारी के निर्देश दिए हैं। राष्ट्र के प्रति गौरव और सम्मान के लिए गाँव से लेकर शहर तक हर घरों में तिरंगा फहराने के लिए उन्होंने सभी से अपील भी है।

जिले में सभी नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। देश भक्ति की भावनाओं को विकसित करने के साथ देश के प्रति समर्पित रहने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने हर घर झण्डा कार्यक्रम अंतर्गत सतत मानिटरिंग के लिए सभी अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देश अनुरूप अपने स्तर पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व-सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। कलेक्टर ने राष्ट्र ध्वज के मानकों का पालन करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंचों एवं पंचायत के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारियों की सहभागिता से कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

उन्होंने कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्तर पर प्रत्येक गांव में झण्डा वितरण और बिक्री केन्द्र स्थापित करना, स्थानीय स्वसहायता समूह को झण्डों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित एवं भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने झण्डे की खरीदी के लिए समूहों को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए हैं। समस्त शासकीय भवनों एवं संस्थानों में झण्डा फहराना सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर ने पाम्पलेट, बैनर सहित अन्य प्रचार माध्यमों की सहायता से स्वतंत्रता सप्ताह में हर घर झण्डा कार्यक्रम को सफल बनाने की दिशा में काम करने कहा है।

स्व.बिसाहूदास महंत के स्मृति में वरिष्ठ नागरिकों और प्रतिभावान विद्यार्थियों का किया गया सम्मान

श्रीकंचपथ न्यूज

जांजगीर-चाम्पा। स्व बिसाहूदास महंत के पुण्यतिथि पर जिले में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ जनों एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया और अस्पतालों में मरीजों को फल आदि सामग्रियों का वितरण किया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य के पुरोधा जननायक स्वर्गीय बिसाहू दास महंत की आज 23 जुलाई को 44 में पुण्यतिथि मनाई गई। सारागांव में स्व बिसाहूदास महंत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नगर पंचायत द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत भी शामिल हुए। यहाँ अंचल भर से आए 151 वरिष्ठ नागरिकों का गमछे एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया। डॉ महंत ने बिसाहू दास महंत स्मृति सेवा संस्थान की तरफ से नगर के विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा में अव्वल आए विद्यार्थी उदय पिता बलराम सूर्यवंशी, आदित्य पिता बद्री सूर्यवंशी, कुमारी तमन्ना पिता गिरीश चंद कश्यप, कुमारी ऐश्वर्या पिता विश्वजीत रात्रे, कुमारी डाली पिता महेश कुमार राठौर, कुमारी चंद्रकांता पिता रामधन कौशिक को संस्थान के तरफसे प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व स्वर्गीय बिसाहू दास महंत जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर श्री राजेश महंत, नगर पंचायत अध्यक्ष रामकिशन सूर्यवंशी उपाध्यक्ष दिलेश्वर राठौर, एल्डरमैन रवि शंकर पांडेय पार्षद मिट्ठू लाल कर्ष ध्रुव कुमार राठौर दीपक राजू राठौर चैतराम सूर्यवंशी छबीलाल दरैहा श्रीमती सरस्वती राठौर दुर्गेश्वरी राठौर मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतनारायण देवांगन तहसीलदार जयंती देवांगन सहित अंचल भर के गणमान्य नागरिक अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी तादाद पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पार्षद सहसराम कर्ष ने एवं आभार विद्यालय के प्राचार्य जे एल बड़ा ने किया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 486.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 486.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 23 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1247.3 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 169.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 175.1 मिमी, सूरजपुर में 251.6 मिमी, जशपुर में 216.5 मिमी, कोरिया में 280.2 मिमी, रायपुर में 322.9 मिमी, बलौदाबाजार में 453.4 मिमी, गरियाबंद में 560.1 मिमी, महासमुंद में 501.4 मिमी, धमतरी में 605.9 मिमी, बिलासपुर में 513.5 मिमी, मुंगेली में 535.1 मिमी, रायगढ़ में 409.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 575.4 मिमी, कोरबा में 357.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 500.5 मिमी, दुर्ग में 459.2 मिमी, कबीरधाम में 457.5 मिमी, राजनांदगांव में 540.2 मिमी, बालोद में 621.8 मिमी, बेमेतरा में 350.4 मिमी, बस्तर में 636.1 मिमी, कोण्डागांव में 585.7 मिमी, कांकेर में 674.1 मिमी, नारायणपुर में 496.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 643.9 मिमी और सुकमा में 472.1 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

बीटेक कृषि अभियांत्रिकी व फूड टेक्नोलॉजी में दाखिला कल से

रायपुर (ए)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत शासकीय व निजी महाविद्यालयों में संचालित बीटेक कृषि अभियांत्रिकी व बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिले की प्रक्रिया 25 जुलाई से शुरू हो रही है। छात्र 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। 23 अगस्त 2022 को पीईटी-2022 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को सीट व महाविद्यालय का आबंटन किया जाएगा। अभ्यर्थियों को 24 से 27 अगस्त के मध्य दस्तावेज परीक्षण के लिए स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने के लिए अभ्यर्थियों को 24 से 28 अगस्त के मध्य ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा। सीट आबंटन के बाद यदि अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसलिंग में भाग लेना चाहता है तो इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 24 से 28 अगस्त तक कर सकते हैं। आटो अपग्रेडेशन व वर्ग कंवर्शन की सीटों का आबंटन 31 अगस्त से एक सितंबर के मध्य किया जाएगा। आटो अपग्रेडेशन व वर्ग कंवर्शन के पश्चात आवंटित व रिक्त सीटों की जानकारी चार सितंबर को उपलब्ध कराई जायेगी।

दूसरी काउंसलिंग नौ से

मिली जानकारी के अनुसार द्वितीय चरण की काउंसलिंग नौ से 20 सितंबर तक आयोजित की जाएगी। स्पाट व कंवर्शन की अंतिम चरण की काउंसलिंग 23 से 26 सितंबर 2022 तक आयोजित होगी। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसलिंग संबंधित दिशा-निर्देशों की अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट अवलोकन कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि काउंसलिंग में विद्यार्थियों को समय पर उपस्थित होना होगा।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने सादगी से मनाया जन्मदिन

अपने जन्मदिन पर दिव्यांग जनों को वाकर, बैशाखी और हियरिंग मशीन का किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने राजधानी स्थित अपने शासकीय निवास सतनाम सदन में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी सादगी से अपना जन्मदिन मनाया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ केक काट कर अपने जन्मदिन की खुशियां उनके साथ साझा की। मंत्री गुरू रूद्रकुमार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मण्डावी सहित मंत्री मंडल के सभी सदस्य, विधायकगण सहित सभी आयोग एवं निगम मंडल के अध्यक्षों ने उन्हें ट्वीट कर जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के

20 अस्थि बाधित दिव्यांगों को वाकर, बैसाखी और 30 श्रवण बाधित दिव्यांगों को हियरिंग मशीन का भी वितरण किया।

मंत्री गुरु रूद्रकुमार ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों, किसानों और मजदूरों की सरकार है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा और छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप, पूर्व केन्द्रीय मंत्री भक्त चरणदास, पूर्व विधायक गुरमुख सिंह होरा, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग महेन्द्र सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष माटी कला बोर्ड बालम चक्रधारी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग की उपाध्यक्ष पदमा मनहर, सुशील आनंद शुक्ला सहित वरिष्ठ नागरिक पन्नालाल परगनिया ने मंत्री गुरू रूद्रकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर उनके दीर्घायु होने की कामना की।

उल्लेखनीय है कि मंत्री गुरु रुद्रकुमार को अहिवारा विधानसभा के जनप्रतिनिधि अमनदीप सिंह ने 45 केक भेंटकर उनके जन्मदिन को बड़े ही अनूठे तरीके से मनाया। मंत्री गुरू रूद्रकुमार का डंडा नृत्य से स्वागत किया और हैमर केक, सरप्राइज केक भेंटकर गुब्बारे व फूलों की वर्षा की गई। इस अवसर पर दुर्ग जिले और प्रभार वाले जिले मुंगेली के जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्य तथा दुर्ग जिले के जनपद पंचायत की अध्यक्ष सालिनी यादव, जिला पंचायत सदस्य पुष्पा यादव और सदस्य, भिलाई-3-चरोदा, नगर निगम के सभापति कृष्णा चन्द्राकर और जामुल नगर पालिक निगम के जनप्रतिनिधि और अहिवारा के जनप्रतिनिधि, विजय जैन, राजेश दाण्डेकर, भागी गहने सहित संत समाज के राजमहंत व पदाधिकारी और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग विभाग के अधिकारियों ने अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी।

स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को सदा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया: सीएम बघेल

मुख्यमंत्री शामिल हुए 'विवेकानंद राष्ट्रीय युवा सम्मेलन' में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद ने जीवन भर युवाओं को अच्छे स्वास्थ और अच्छे चरित्र निर्माण के साथ लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्वामी विवेकानंद जी की स्मृति में बनने वाला राष्ट्रीय स्मारक अब तक स्थापित उनके सभी स्मारकों से किसी बात में कम नही होगा, हमारी कोशिश होगी कि यह स्मारक सबसे बेहतर हो।

आज समाज में स्वामी विवेकानंद के विचारों को बढ़ाने की आवश्यकता है

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज समाज मे स्वामी विवेकानंद के विचारों के प्रसार और उन्हें आत्मसात करने की जरूरत है। छत्तीसगढ़ से विवेकानंद जी का गहरा लगाव रहा है। कलकत्ता के बाद स्वामी विवेकानंद ने रायपुर में सबसे ज्यादा समय बिताया। स्वामी विवेकानंद के नाम पर रायपुर के एयरपोर्ट का नामकरण किया गया। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने संस्मरण बताया कि उन्होंने विपक्ष में रहते हुए रायपुर एयरपोर्ट का नाम विवेकानंद के नाम पर रखने के लिए विधानसभा में एक अशासकीय संकल्प लाया था। स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व इतना विराट है कि उनके नाम पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने सहमति व्यक्त की और संकल्प विधानसभा में पारित हुआ।

मुख्यमंत्री बघेल रायपुर के कोटा स्थित विवेकानंद विद्यापीठ में आयोजित 'विवेकानंद राष्ट्रीय युवा सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि स्वामी विवेकानंद के अमेरिका में तीन और भारत में 12 स्मारक हैं। रायपुर में बनने वाला स्मारक स्वामी विवेकानंद का 16वां स्मारक होगा। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित रामकृष्ण मिशन और विवेकानंद विद्यापीठ के पदाधिकारियों, सम्मेलन के अतिथियों से रायपुर में स्थापित होने वाले स्मारक के स्वरूप के संबंध में सुझाव देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इसके पहले स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन किया और आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकृष्ण आश्रम, राजकोट के अध्यक्ष श्रीमत् स्वामी निखिलेश्वरानंद ने की। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विवेकानंद विद्यापीठ, रायपुर द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन किया गया। विवेकानंद विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने राज्यगीत और देशभक्ति पूर्ण गीत की संगीतमय प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री बघेल ने सम्मेलन में स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद भावधारा के संबंध में कहा कि सब को जोड़ने की बात यदि किसी संत ने कही है तो वह रामकृष्ण परमहंस ने कही और उस बात को चरितार्थ करने का काम यदि किसी ने किया तो विवेकानंद जी ने किया। स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने कहा था कि आप किसी भी पद्धति से प्रार्थना करिए या पूजा करें, आप एक ही ईश्वर तक पहुंचेंगे। आप किसी भी रास्ते से चलिए आप पहुंचेंगे एक ही जगह पर। उन्होंने समानता की बात कही, जोड़ने की बात कही, यही हिंदुस्तान की ताकत है। भारत की धरती से अनेक धर्म निकले हैं। हमें सभी धर्मो का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने छत्तीसगढ़ में राम कृष्ण मिशन और विवेकानंद विद्यापीठ के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के प्रकाश से जोड़ने, मानव कल्याण का कार्य इन संस्थानों में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में कहा कि स्वामी विवेकानंद का कहना था कि पश्चिम के विज्ञान को हमें स्वीकार करना होगा और भारत के अध्यात्म को पश्चिम को स्वीकार करना होगा तभी मानवता आगे बढ़ेगी। आजकल राजनीति करने वाले धर्म की बात कर रहे हैं और धार्मिक गुरु चुप बैठे हुए हैं। हम हिंदू हैं, हमें इस बात पर गर्व है लेकिन किसी और धर्म का अपमान करें यह उचित नहीं है। धर्म कभी घृणा की बात नहीं कर सकता। साधु संत के दो काम हैं, जगत का कल्याण और आत्म उन्नति यदि आपके मन में घृणा है तो आप साधु नहीं।

स्वामी निखिलेश्वरानंद ने अध्यक्षीय आसंदी से स्वामी विवेकानंद के कथन को दोहराते हुए युवाओं से कहा कि भारत को प्रेम करें और उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रूको। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद युग दृष्टा थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ में स्थापित होने वाले स्मारक के लिए हर संभव सहयोग देने की बात कही। विवेकानंद विद्यापीठ के सचिव डॉ. ओमप्रकाश वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ के पदाधिकारी और सम्मेलन में शामिल हो रहे अतिथि और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

ऑनलाइन पोर्टल में कई विषय गायब परेशान हो रहे कालेजों के छात्र

रायपुर (ए)। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए बनाए गए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया जारी है। इस बीच छात्रों को कई कालेजों में संकाय का विकल्प ही नजर नहीं आ रहा है। पोर्टल में इस तरह की खामियों से छात्रों को फॉर्म भरने में दिक्कत आ रही है। इसकी शिकायत भी विश्वविद्यालय से छात्रों ने की है, लेकिन समस्या बनी हुई है।

बता दें कि कालेजों में दाखिले के लिए अब तक 50 हजार से अधिक फॉर्म आ चुके हैं। वहीं आवेदन प्रक्रिया जारी है। विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार कालेजों में विषयवार मेरिट सूची 30 जुलाई को जारी की जाएगी। इससे पहले 29 जुलाई को सभी कालेजों को आवेदक छात्रों की सूची प्रदान करनी होगी। प्रथम चरण में महाविद्यालय में प्रवेश 30 जुलाई से पांच अगस्त तक चलेगा। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि कालेजों में दूसरे चरण में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया छह और सात अगस्त को होगी। आठ अगस्त को महाविद्यालयों को सूची प्रदान करना होगा। नौ अगस्त को मेरिट सूची जारी होगी। इसके आधार पर सीटों पर दाखिले होंगे। छात्र नौ से 16 अगस्त तक दाखिला ले सकते हैं। इसके बाद बची हुई सीटों के लिए प्रवेश प्रक्रिया खोल दिया जाएगा। कालेज प्रबंधन अपने अनुसार दाखिला ले सकेंगे।

छात्रों को नहीं होगी परेशानी: कुलपति

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डा. केएल वर्मा ने कहा कि आनलाइन पोर्टल में संकाय से जुड़ी समस्या आ रही है। तो जानकारी लेकर पोर्टल दुरुस्त करने के निर्देश देंगे। दाखिले के लिए छात्रों को किसी तरह की समस्या ना हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

अनाथ बच्ची का सहारा बना रायपुर एम्स तीन वर्ष से सांस लेने में आ रही थी परेशानी

रायपुर (ए)। एम्स के चिकित्सकों ने 13 साल की अनाथ बच्ची के हृदय का जटिल आपरेशन कर उसे एक नई जिंदगी दी है। साढ़े चार घंटे चले आपरेशन के बाद बच्ची एक दिन आईसीयू में भी भर्ती रही। राजधानी के एक अनाथालय में रहने वाली बच्ची को डीवीआर (डबल वाल्व रिप्लेसमेंट) और टीवी (ट्रायक्यूपिड वाल्व) रिपेयर विद निक्स एओर्टिक रूट एनलार्जमेंट बीमारी थी। इसमें हृदय के वाल्व पूरी तरह से कार्य नहीं कर पाते, जिससे मरीज को नियमित दिनचर्या में काफी दिक्कतें आती है। इस बीमारी की वजह से बच्ची को पिछले तीन वर्षों से सांस लेने में दिक्कत आ रही थी। बच्ची का ऑपरेशन विभागाध्यक्ष डा. नितिन कश्यप के निर्देशन में पीडियाट्रिक कार्डिक सर्जन डॉ. जी. सौरभ ने किया है।

कलेक्टर का सघन दौरा: गौठानों का किया अवलोकन, स्कूलों में देखी व्यवस्थाएं

बरबंदा के स्वामी आत्मानंद सरोवर (तालाब) की साफ-सफाई और सुरक्षा के इंतजाम के दिये निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने भी जिले के चार गांवों का दौरा कर जन समस्याओं और मांगो की जानकारी ली। डॉ भुरे रिमझिम बारिश के बीच धरसींवा विकासखंड के बरौदा, बरबंदा, पथरी और निलजा गाँव पहुंचे। इन गॉवों में कलेक्टर ने गौठानों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों में व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्थानीय जनप्रतिनिधियों - निवासियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ग्रामीणों से ली और उनकी समस्याओं-मांगो के बारे में पूछा। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ डॉ. रवि मित्तल, जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहें।

कलेक्टर डॉ भुरे ने बरौदा गांव पहुंचकर आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों के लिए केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का जायज़ा लिया। कलेक्टर ने सरपंच और महिला बाल विकास अधिकारी को आंगनवाडी के सामने पेवर ब्लाक लगाने के निर्देश दिए साथ ही बच्चों को दिए जाने वाले रेडी टू ईट पोषक आहार की भी जाँच की। कलेक्टर ने बरबंदा गांव के गौठान का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गौठान में चल रही आजीविका गतिविधियों की जानकारी संचालक समिति से ली। कलेक्टर ने मुर्गीपालन, बकरीपालन सहित अन्य गतिविधियों को लगातार जारी रखने के निर्देश दिए, ताकि महिला समूहों को लगातार रोज़गार मिले और उन्हें लगातार आय भी होती रहे। उन्होंने बरबंदा गौठान में गोबर ख़रीदी और वर्मी खाद उत्पादन की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने गौठान में वर्मी टांको का निरीक्षण किया और महिला समूहों की सदस्यों को खाद बनाने की निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने को कहा। समूह की सदस्यों ने बताया की इस बार अभी तक मुर्गीपालन से लगभग 15 हज़ार रुपए की आमदनी हो गई है। आठ -दस दिनो में वर्मी खाद भी तैयार हो जाएगा। महिलाओं ने बताया कि गोबर से बायो गैस भी बनाई जा रही है और गॉव के 8-10 घरों को कनेक्शन भी दिया गया है। इन घरों के लोग गोबर गैस का उपयोग ईंधन के रूप में भोजन आदि बनाने में कर रहे है। डॉ भुरे इस पर खुशी जताई और नियमित गोबर ख़रीदी करने और गोबर को सुरक्षित रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने बरबंदा के आंगनबाड़ी केंद्र में साफ सफाई बेहतर करने के निर्देश दिए साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को कहा। डॉ भुरे ने बरबंदा के स्वामी आत्मानंद सरोवर(तालाब) का भी अवलोकन किया।उन्होंने सरोवर में पहले किये गए सौंदर्यीकरण के कामों का अवलोकन किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

लिवर में सूजन की समस्या है बहुत नुकसानदायक जानें कौन सा हेपेटाइटिस है ज्यादा घातक

सेहतमंद रहने के लिए लिवर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। लिवर शरीर का वह महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो खून में टॉक्सिन्स को साफ करता है। भोजन पचाने में मदद करता है, जिसे पाचन तंत्र तुरुस्त रहता है और कई तरह की समस्या दूर होती हैं। लेकिन किसी कारण से अगर लिवर को नुकसान पहुंचे तो व्यक्ति को जान का जोखिम भी हो सकता है। ऐसे में जब इंफेक्शन के कारण लिवर में सूजन आ जाती है, तो इस समस्या को हेपेटाइटिस कहते हैं। हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। हेपेटाइटिस डे मनाने की वजह लोगों को लिवर के प्रति जागरूक करना और वायरल इंफेक्शन से बचाना है ताकि शरीर सुचारू रूप से कार्य कर सके। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस की बीमारी बहुत आम है। देश में सालाना हेपेटाइटिस के करीब 10 लाख मामले सामने आते हैं। हेपेटाइटिस को लेकर बड़ी समस्या ये है कि इस रोग के शुरुआती स्तर पर तीव्र लक्षण ज्यादातर मरीजों को नजर नहीं आते, जिससे इलाज में देरी हो जाती है और बीमारी जानलेवा हो जाती है। कई तरह के हेपेटाइटिस हैं, जो अपने वायरस के आधार पर कम और अधिक घातक होते हैं।

हेपेटाइटिस के प्रकार

वायरस के आधार पर- हेपेटाइटिस लिवर की बीमारी है, जिसमें पांच तरह के वायरस होते हैं। हेपेटाइटिस के ये पांच वायरस लिवर के दुश्मन होते हैं। पांचों वायरस के आधार पर हेपेटाइटिस पांच प्रकार का होता है। इसमें हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, हेपेटाइटिस डी, हेपेटाइटिस ई शामिल है। वैसे तो हेपेटाइटिस के सभी प्रकार नुकसानदायक हैं। लेकिन सबसे घातक हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी हैं, जो लिवर सिरोसिस और कैंसर को जन्म देते हैं।

गंभीरता के आधार पर- हेपेटाइटिस दो तरह के होते हैं- एक्यूट हेपेटाइटिस और क्रॉनिक हेपेटाइटिस। एक्यूट हेपेटाइटिस में अचानक लीवर में सूजन आ जाती है। इसमें रोगी में 6 महीने तक लक्षण रह सकते हैं, धीरे धीरे ठीक हो जाते हैं। क्रॉनिक हेपेटाइटिस में रोगी का इम्यून सिस्टम बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। जिसके कारण लीवर कैंसर हो सकता है और रोगी की मौत भी हो सकती है।

हेपेटाइटिस बी

हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित व्यक्ति के रक्त वीर्य या शरीर के अन्य तरल पदार्थों में संक्रमण फैल जाता है, जो लिवर में क्रॉनिक समस्याओं का कारण बनता है। हेपेटाइटिस बी संक्रमित मां से बच्चे में प्रवेश कर सकता है। यूरिन और रक्त के जरिए भी फैलता है।

हेपेटाइटिस बी के लक्षण- अगर हेपेटाइटिस बी से ग्रसित हो जाते हैं तो इसके लक्षण लगभग एक से चार महीने बाद दिखाई देते हैं। पेट में दर्द, यूरिन का रंग बदलना, बुखार, जोड़ों का दर्द, भूख न लगना, उल्टी, कमजोरी और थकान हेपेटाइटिस बी के लक्षण हैं।

हेपेटाइटिस बी से बचाव- हेपेटाइटिस बी की रोकथाम के लिए वैक्सीन हैं। साथ ही इलाज के लिए चिकित्सक एंटीवायरल दवाएं देते हैं। हेपेटाइटिस बी से संक्रमित रोगी की स्थिति गंभीर होने पर लिवर ट्रांसप्लांट भी कराया जा सकता है।

हेपेटाइटिस सी

हेपेटाइटिस ए और बी की तुलना में हेपेटाइटिस सी अधिक घातक होता है। ये संक्रमित व्यक्ति के रक्त के जरिए फैलता है। हेपेटाइटिस सी भी क्रॉनिक समस्या है जो आमतौर पर कई सालों तक एक मूक संक्रमण की तरह बना रहता है। हेपेटाइटिस सी के कारण कुछ रोगियों को लिवर कैंसर तक हो सकता है। टैटू गुदवाने, दूषित रक्त, इंफेक्टेड निडिल्स के इस्तेमाल और दूसरों की शेविंग किट के उपयोग से हेपेटाइटिस सी का जोखिम बढ़ता है।

हेपेटाइटिस सी के लक्षण- हेपेटाइटिस सी को साइलेंट किलर भी कह सकते हैं। जब तक लिवर को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा देता, तब तक हेपेटाइटिस सी के लक्षण नजर नहीं आते। हालांकि हेपेटाइटिस सी के रोगियों को बहुत थकान आती है, भूख नहीं लगती, पीलिया की शिकायत हो सकती है, गहरे रंग की पेशाब और त्वचा में खुजली की समस्या हो सकती है।

हेपेटाइटिस सी से बचाव- भले ही हेपेटाइटिस सी के लिए फिलहाल कोई वैक्सीन नहीं है लेकिन चिकित्सा क्षेत्र में हुए नए शोध और प्रयोगों के कारण हेपेटाइटिस के इलाज में आशाजनक परिणाम सामने आए हैं। हेपेटाइटिस सी के इलाज के लिए एंटीवायरल दवाएं उपलब्ध हैं। हेपेटाइटिस सी की ऐसी कई दवाइयां हैं जो मरीज के शरीर से 90-100 फीसदी तक वायरस को दूर कर सकती है। हालांकि इसके लिए सही समय पर सही इलाज मिलना जरूरी है। हेपेटाइटिस सी की स्थिति गंभीर होने पर लिवर ट्रांसप्लांट की आवश्यकता हो सकती है।

हेपेटाइटिस ई

हेपेटाइटिस ई के मामले अन्य हेपेटाइटिस वायरस की तुलना में कम होते हैं, लेकिन ये एचईवी भी लिवर के लिए काफी नुकसानदायक माना जाता है। संक्रमित व्यक्ति के मल से, दूषित खानपान के कारण हेपेटाइटिस ई की शिकायत हो सकती है। हेपेटाइटिस ई की स्थिति गंभीर होने पर लिवर फेलियर की समस्या हो सकती है।

हेपेटाइटिस ई के लक्षण- हेपेटाइटिस ई वायरस से संक्रमित रोगी को पीलिया, जोड़ों में दर्द, पेट में दर्द, भूख न लगना, जी मिचलाना और उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

हेपेटाइटिस ई से बचाव- रोगियों को 21 दिनों के लिए दवा का कोर्स अपनाना होता है। हेपेटाइटिस ई से बचने के लिए टीका लगवा सकते हैं। चिकित्सक हेपेटाइटिस ई से बचाव के लिए स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह देते हैं। बरसात में गंदे पानी के कारण हेपेटाइटिस ई का खतरा सबसे ज्यादा होता है, इसलिए स्वच्छ पानी पीने की सलाह दी जाती है।

केबीसी-14: आजादी के महापर्व के साथ होगी 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन की शुरुआत, इस दिन होगा प्रीमियर

टेलीविजन का मशहूर क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति बीते लंबे समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो के 13 सीजन सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। वहीं, अब 13वें सीजन के बाद दर्शक बेसब्री से इसके नए सीजन का इंतजार कर रहे हैं। केबीसी 14 को लेकर पिछले कुछ समय से टेलीविजन पर लगातार प्रोमो प्रसारित किए जा रहे हैं। हालांकि अब शो के मेकर्स की तरफसे रियलिटी शो के नए सीजन की शुरुआत के बारे में जानकारी दी गई है। हाल ही में मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए केबीसी 14 के प्रीमियर की तारीख का ऐलान कर दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर सोनी टीवी ने पोस्ट शेयर कर जानकारी दी कि कौन बनेगा करोड़पति का नया सीजन अगले महीने से शुरू होने वाला है। शेयर किए गए पोस्ट में सोनी टीवी में जानकारी दी कि रविवार 7 अगस्त रात 9 बजे से शुरू होगा कौन बनेगा करोड़पति का नया अध्याय। होगा आजादी के गर्व का महापर्व। इसके साथ ही एक प्रोमो वीडियो भी शेयर किया गया, जिसमें शो के होस्ट अभिनेता अमिताभ बच्चन आजादी के इस महापर्व से दर्शकों को रूबरू कराते नजर आ रहे हैं।

प्रोमो वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि केबीसी के इस नए सीजन में अलग-अलग क्षेत्र के कई कलाकार शामिल होंगे। इन खास लोगों में मशहूर बॉक्सर मैरीकॉम, फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री, अभिनेता आमिर खान, कारगिल वॉर के जांबाज सिपाही डीपी सिंह समेत अन्य कई महान सितारे शामिल हैं। इस दौरान सभी सेलिब्रिटी ना सिर्फ हॉट सीट पर बैठकर पूछे गए सवालों का जवाब देंगे, बल्कि अपनी सफलता के सफर का अनुभव भी दर्शकों के साथ साझा करेंगे।

रविवार को केबीसी के 14वें सीजन का स्पेशल एपिसोड प्रसारित किया जाएगा। इसके बाद सोमवार 8 अगस्त से हर रोज शो के नए एपिसोड टेलीकास्ट किए जाएंगे। हर बार की तरह इस बार भी बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन केबीसी को होस्ट करते नजर आएंगे। शो की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। यह शो सोमवार से गुरुवार तक प्रसारित किया जाएगा, जबकि शानदार शुक्रवार को अलग-अलग कलाकार इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि अभी तक शो में शामिल होने वाले कलाकारों के नामों का खुलासा नहीं हुआ है।

85 साल के हुए भारत कुमार: इमरजेंसी का विरोध किया तो मनोज कुमार की फिल्म हुई बैन, लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर बनाई फिल्म उपकार

पद्मश्री, नेशनल अवॉर्ड और सात फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित, एक ऐसा एक्टर जिसने देशभक्ति की ऐसी एक से बढ़कर एक फिल्में बनाई कि उनका नाम ही मनोज कुमार से भारत कुमार पड़ गया। जी हां आज बात हो रही है बेहतरीन एक्टर, डायरेक्टर और फिल्ममेकर मनोज कुमार की, जो कि 85 साल के हो चुके हैं। मनोज कुमार ने एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में दी हैं। उनपर फिल्माए गए गाने आज भी याद किए जाते हैं। मनोज जितने एक्टिंग में हिट रहे उतने ही अच्छे वो राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर भी माने गए। मनोज की कई फिल्मों ने गोल्डन जुबली और डायमंड जुबली तक मनाई हैं। उनका जन्म गुलाम भारत में हुआ था फिर जब भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ तो उनकी फैमिली ने भारत को चुना। उन्होंने अपने करियर में 54 फिल्मों में काम किया है। इंदिरा गांधी के करीबी रहे मनोज को इमरजेंसी के समय खासा परेशान भी होना पड़ा था। तो चलिए आज इस बेहतरीन एक्टर के जन्मदिन पर इनकी जिंदगी से जुड़े कुछ खास किस्सों पर नजर डालते हैं।

भारत-पाक बंटवारे के बाद रिफ्यूजी कैंप में रहे

मनोज कुमार का जन्म 24 जुलाई 1937 को गुलाम भारत के ऐबटाबाद में हुआ था। उनके पेरेंट्स ने उनका नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी रखा था। मनोज को जीवन अच्छा खासा चल ही रहा था कि भारत-पाक बंटवारे की बात ने उन्हें परेशान कर दिया। इस बंटवारे में उनकी फैमिली ने भारत को चुना और दिल्ली में आकर एक रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। कुछ समय तक वो रिफ्यूजी कैंप में ही रहे फिर बाद में दिल्ली के राजेंद्रनगर में शिफ्ट हो गए।

दिलीप कुमार की फिल्म देखकर हरिकिशन गिरि बन गए मनोज कुमार

मनोज कुमार उस वक्त के एक्टर्स से काफी इंस्पायर थे। वो दिलीप कुमार, अशोक कुमार और कामिनी कौशल के काफी बड़े फैन हुआ करते थे। एक दिन उन्होंने दिलीप कुमार की फिल्म शबनम देखी। ये फिल्म उन्हें इतनी पसंद आई कि उन्होंने अपना नाम हरिकिशन गिरि गोस्वामी से बदलकर मनोज कुमार रख लिया। इसके बाद वो जहां भी जाते अपना नाम मनोज कुमार ही बताते थे।

पढ़ाई के दौरान देखा एक्टर बनने का सपना

मनोज दिल्ली के हिंदू कॉलेज से ग्रेजुएशन कर रहे थे इसी बीच उन्हें उनकी गर्लफ्रेंड शशि के साथ थिएटर में फिल्में देखने का चस्का लग गया। वो चस्का कहो या जुनून बस वहीं से मनोज ने एक्टिंग करने की ठान ली। मनोज ने हिंदू कॉलेज से ग्रेजुएशन किया और फिर मुंबई का रुख कर लिया।

20 साल की उम्र में फिल्म फैशन से किया डेब्यू

मुंबई आने के बाद मनोज ने फिल्मों में एंट्री लेने की कोशिशें शुरू कर दीं। उनकी हेल्थ हाइट काफी अच्छी थी। साथ ही देखने में भी मनोज किसी हीरो से कम नहीं दिखते थे इसलिए उन्हें 1957 में आई फिल्म फैशन में काम मिल गया। इस फिल्म में मनोज का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था लेकिन उनकी एक्टिंग दमदार थी। इसके बाद 1960 में आई फिल्म कांच की गुड़िया में मनोज लीड एक्टर के तौर पर नजर आए और बस यहीं से उनका फिल्मी सफर शुरू हो गया। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया जिसमें हरियाली और रास्ता, वो कौन थी, हिमालय की गोद में, दो बदन, उपकार, पत्थर के सनम, नील कमल, पूरब और पश्चिम, बेईमान, रोटी कपड़ा और मकान, दस नंबरी, संन्यासी और क्रांति जैसी फिल्में शामिल हैं।

जब वीर भगत सिंह की मां ने कहा तू तो बिल्कुल भगत जैसा लगता है

मनोज कुमार फिल्म शहीद की शूटिंग में बिजी थे। ऐसे में उन्होंने इसी बीच शहीद भगत सिंह के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उनकी मां अस्पताल में भर्ती थीं तब मनोज भी अस्पताल में ही जाकर उन्हें मिले। जब भगत सिंह की मां विद्यावती ने मनोज को देखा तब सीधे कहा कि ये तो मेरे भगत जैसा ही लग रहा है। फिर मनोज ने उनकी गोद में अपना सिर रख लिया और दोनों की आखों में आंसू आ गए। उनकी फिल्म शहीद 1965 में रिलीज हुई और जब लोगों ने इसे देखा तो खूब वाह वाही की।

लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर बनाई फिल्म उपकार

1965 को दौर था जब भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा था। उस समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री थे। युद्ध जैसे ही खत्म हुआ तब लाल बहादुर शास्त्री ने मनोज कुमार से मुलाकात की और इस युद्ध के दौरान हुई परेशानियों पर एक फिल्म बनाने की बात कही। ये बात मनोज के मन में घर कर गई। फिर उन्होंने लाल बहादुर शास्त्री के नारा जय जवान, जय किसान से प्रेरित होकर फिल्म उपकार लिखी।

इस फिल्म को निर्देशन और डायरेक्शन भी मनोज ने ही किया साथ ही फिल्म में लीड एक्टर भी मनोज ही थे। फिर जब 1967 में फिल्म रिलीज हुई तो इस फिल्म को लोगों का खूब प्यार मिला और ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। फिल्म के लिए मनोज कुमार को बेस्ट डायरेक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड तो मिला ही साथ ही इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर के नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

इमरजेंसी में मनोज कुमार पर जुल्म

1972 में रिलीज हुई शोर हिंदी सिनेमा की सुपरहिट फिल्म है। इस फिल्म के राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर मनोज कुमार ही थे। फिल्म के गाने काफी पॉपुलर हुए थे। इस फिल्म की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मनोज कुमार ने इस फिल्म को दोबारा रिलीज करने की योजना बनाई और इसे रिलीज करने की तारीख की भी घोषणा कर दी थी, लेकिन इससे पहले मनोज कुमार ने इमरजेंसी का विरोध कर संजय गांधी और तत्कालीन प्रसारण मंत्री विद्याचरण शुक्ल को नाराज कर दिया था। हालांकि,मनोज कुमार की विद्याचरण शुक्ल से काफी अच्छी पहचान थी। फिर भी संजय और शुक्ल की जोड़ी ने मनोज कुमार को सबक सिखाने से पहले फिल्म शोर को दोबारा थिएटर्स में रिलीज होने से पहले ही दूरदर्शन पर रिलीज कर दिया। नतीजा ये हुआ कि जब फिल्म थिएटर्स में रिलीज हुई तो इसे देखने कोई नहीं आया। इसी तरह उनकी दस नंबरी भी इमरजेंसी के दौरान 1976 में रिलीज हुई, लेकिन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इस फिल्म को प्रतिबंधित कर दिया। फिर मनोज ने इस फिल्म को रिलीज करवाने के लिए कोर्ट में केस लड़ा। लाखों रुपए खर्च हुए पर मनोज ने हार नहीं मानी। कोर्ट में ये केस चल ही रहा था कि 1977 में बीजेपी की सरकार बन गई। नई सरकार आने पर लालकृष्ण आडवाणी सूचना और प्रसारण मंत्री बने और फिर मनोज कुमार ने केस जीत लिया।

10 फिल्में लिखीं, सभी हिट

मनोज कुमार ने उपकार के बाद 9 और फिल्में लिखीं जिसमें रोटी, कपड़ा और मकान, मेरा नाम जोकर, पूरब और पश्चिम और क्रांति जैसी फिल्में शामिल हैं। उनकी लिखी लगभग सभी फिल्में हिट और सुपरहिट रही हैं।

कई अवॉर्ड से सम्मानित

मनोज को 1992 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था। उन्हें फिल्म उपकार के लिए बेस्ट फीचर फिल्म का नेशनल अवॉर्ड दिया जा चुका है। साथ ही 2016 में मनोज को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें 7 फिल्मफेयर अवॉर्ड और एक लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा भी इंडस्ट्री में अपने योगदान के लिए कई अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मनोज की एक्टर के तौर पर आखिरी फिल्म 1995 में आई मैदान-ए-जंग थी।

जब मनोज ने अमृता प्रीतम से नाराज हुए मनोज

1975 का दौर था। जब देश में इमरजेंसी लगी हुई थी। मनोज कुमार इंदिरा गांधी और उस वक्त के तमाम नेताओं से अच्छे संबंध रखते थे लेकिन बावजूद इसके वो इमरजेंसी के विरोध में थे। ऐसे में एक दिन मनोज कुमार को सूचना और प्रसारण मंत्रालय से अधिकारी का फोन आया। उन्होंने मनोज कुमार से एक ऐसी डॉक्यूमेंट्री डायरेक्ट करने के लिए कहा जो इमरजेंसी के समर्थन में थी। इसकी कहानी अमृता प्रीतम ने लिखी थी। मनोज को स्क्रिप्ट भी भेजी गई थी लेकिन मनोज ने फोन पर ही इस ऑफर को ठुकरा दिया।

इसके तुरंत बाद मनोज ने अमृता प्रीतम को फोन किया और पूछा- क्या लेखक के रुप में आपने खुद से समझौता कर लिया है। मनोज के इतना कहते ही अमृता प्रीतम शर्मिंदा हो गईं और उन्होंने मनोज से कहा कि आप इस स्क्रिप्ट को फाड़ कर फेंक दीजिए। पत्रकार रंजन दास गुप्ता ने बाद में अपने लेख में इस वाकये का जिक्र किया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

सैल्यूट तिरंगा संगठन 26 को मनाएगा कारगिल विजय दिवस

दुर्ग। भारत की आजादी के अमृत वर्ष पर राष्ट्रवादी संगठन सेल्यूट तिरंगा द्वारा पूरे प्रदेश में कारगिल विजय दिवस 26 जुलाई से 1 अगस्त तक कारगिल विजय दिवस सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा जिसकी जानकारी प्रदेश के अध्यक्ष मनोज ठाकरे ने देते हुए बताया इस अवसर को यादगार बनाने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी सदस्य जोर शोर से तैयारी कर रहे हैं इसी कड़ी में आज सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ -हेड चर्टर के मुख्य कार्यालय में सैल्यूट तिरंगा द्वारा देश प्रेम की भावना जन जन तक पहुंचाने के लिए उसे मजबूती प्रदान करने के लिए बीएसएफके जवानों को इस वंदे मातरम जन गण मन राष्ट्रगान राष्ट्रगीत के सामूहिक किए जाने वाले आयोजन में संस्था के अध्यक्ष मनोज ठाकरे एवं प्रदेश सलाहकार कवच संस्था के प्रमुख नरेंद्र राठौर द्वारा बीएसएफ के कमांडेंट एवं असिस्टेंट कमांडेंट प्रशासन (बीएसएफ) से भेंट कर उन्हें सैल्यूट तिरंगा का एक पोस्टर भेंट किया। बीएसएफके कमांडेंट ने इस सैल्यूट तिरंगा के द्वारा चलाए जा रहे अभियान वंदे मातरम की सरना की सराहना की बीएसएफ कमांडेंट भिलाई रिसाली एमजे मऊ असिस्टेंट कमांडेंट प्रशासन मनीष सिन्हा ने इस अवसर पर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 3 स्थानों पर विद्यालयों में वृक्षारोपण करने का निर्णय लिया।

निजी लैब में डेंगू की जांच में मिलेगी 100 रुपए की छूट

जगदलपुर। डेंगू की जांच के लिए निजी पैथॉलॉजी लैब में 100 रुपए की छूट प्रदान की जाएगी। आज जिला कार्यालय के आस्था कक्ष में कलेक्टर चंदन कुमार के निर्देश पर अपर कलेक्टर दिनेश नाग की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निजी पैथॉलॉजी लैब संचालकों द्वारा इसका वादा किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश नाग ने कहा कि डेंगू के संक्रमण को देखते हुए व्यवसायिक दृष्टिकोण की अपेक्षा मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाना उचित होगा। कोविड संक्रमण के दौरान भी निजी चिकित्सालयों तथा पैथॉलॉजी लैब द्वारा मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य किया गया था, जिसकी सराहना सभी के द्वारा की गई है। जिला प्रशासन की अपील पर डेंगू संक्रमण के दौरान किट के माध्यम से किए जाने वाले प्रत्येक जांच पर 100 रुपए की छूट प्रदान करने का वचन दिया गया है।

जब कलेक्टर बने शिक्षक

आंगनबाड़ी में दीपाली तो स्कूल में दसवीं के विद्यार्थियों की लगाई क्लास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने आज ग्रामीण इलाकों में प्रवास के दौरान दो अवसरों पर शिक्षक की भूमिका भी निभाई। उन्होंने आज बरौदा के आंगन बाड़ी केंद्र में छोटे बच्चों को सिखाये जा रहे शब्द ज्ञान और सामान्य ज्ञान को परखा तो बरबंदा के हाई स्कूल में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की क्लास लगा दी।

इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ डॉ. रवि मित्तल, जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहें।

बरौदा आंगनबाड़ी केंद्र में कलेक्टर ने छोटी बच्ची दीपाली को जंगलो मे मिलने वाले जानवरों की फ़ोटो दिखाकर पहचानने को कहा। दिपाली ने शेर, मगरमच्छ, बंदर आदि सभी जानवरों को फोटो देखकर झट से पहचान लिया। डॉ भुरे ने इस पर खुशी ज़ाहिर की और सभी बच्चों का ताली बजाकर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की भी प्रशंसा की।

कलेक्टर ने बरबंदा के हाई स्कूल में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों से अंग्रेजी विषय के बारे में पूछा। उन्होंने हिंदी वाक्यों का इंग्लिश में ट्रांसलेशन, टेन्स आदि की जानकारी विद्यार्थियों से ली। छात्रा कुमारी रत्ना यादव से कलेक्टर ने आपने रहने के स्थान को इंग्लिश भाषा मे बोर्ड पर लिखने को कहा। रत्ना ने आई लिव इन नेवरडिह लिखा ।

जिस पर कलेक्टर ने गलती सुधार के लिये विद्यार्थियों से प्रश्न किये और सही वाक्य रचना बताई। उन्होंने छात्र नागेश वर्मा से मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ वाक्य को इंग्लिश में अनुवाद के लिए कहा। छात्र ने आई रीड़ इन टेन्थ क्लास लिखा। कलेक्टर ने इस पर समझाइश दी कि रीड किताब पढ़ने जैसी क्रिया के लिए उपयोग होता है , ऐसी जगहों पर स्टडी शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए।

डॉ. भुरे ने सभी बच्चों को मन लगाकर पढ़ने और आगे बढ़ने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि इंग्लिश कोई कठिन भाषा नही है , बस निरंतर प्रैक्टिस से हम उसमें पारंगत हो सकते है। उन्होंने सभी शिक्षकों को भी पूरी गंभीरता से विद्यार्थियों को पढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी विद्यार्थियों को मेहनत कर अच्छे अंको से पास होने की समझाइश दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर एवं एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

पीड़ितों से मुलाकात कर आवश्यक सहयोग देने की बात कही

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा एवं एसपी आंजनेय वाष्णैय ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बीजापुर एवं भैरमगढ़ ब्लाक के सुदूर क्षेत्रो का जायजा लिया एवं प्रभावितो को आवश्यक सहयोग एवं क्षतिग्रस्त संपत्ति का शीघ्र मूल्यांकन कर मुआवजा स्वीकृत करने के निर्देश दिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेते हुए पोंजेर नाला का अवलोकन किया। जिसमें नाला के ऊपर बहकर आये लकडियों को हटाने के निर्देश दिए ताकि आवागमन सुचारु रुप से चल सके। वहीं चेरपाल नदी पर उफान आने से आवागमन अवरुद्ध हो गया है। नदी के उस पार ग्रामीणों की हाल-चाल जाना एवं आवश्यक मदद के लिए दिशा-निदेश दिए।

सीआरपीएफकैम्प पोंजेर, मिनगाचल एवं फुंडरी में सीआरपीएफ जवानों से मिलकर कैम्प का मुआयना किया। जलभराव वाले जगहों का निरीक्षण कर सुरक्षित स्थान पर रहने की समझाईस दी गई। बारिश एवं बाढ़ से संबंधित परेशानियों से अवगत होकर समाधान हेतु मौके पर उपस्थित जिला नोडल अधिकारी आपदा प्रबंधन एवं एसडीएम डॉ. हेमेन्द्र भूआर्य को निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान मिरतूर स्थित मरी नदी का अवलोकन किया गया, नदी उफान पर चल रही है जिससे आवागमन अभी बंद है। वहीं कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों को नदी पार नही करने की समझाईस भी दी जा रही है।

कलेक्टर कटारा के मौके पर उपस्थित कर्मचारियों से आवश्यक चर्चा की तहसीलदार भैरमगढ़ को नदी की स्थिति एवं ग्रामीणों की राहत पहुंचाने सहित प्रभावित क्षेत्रों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। वहीं आपात स्थिति के लिए त्वरित बोट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम कोडोली में दो ग्रामीणों का मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। ग्राम कोडोली में ग्रामीणों से मिलकर कलेक्टर कटारा ने आवश्यक चर्चा की मच्छरदानी का उपयोग करने एवं जल-जनित बीमारियों से बचने पानी उबालकर पीने, गर्म एवं ताजा भोजन करने सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर त्वरित ईलाज कराने की समझाईस दी एवं प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने एवं राहत सामग्री त्वरित उपलब्ध कराने तहसीलदार, पटवारी एवं सचिव को निर्देश दिए। मौके पर उपस्थित सरपंच से आवश्यक चर्चा कर वस्तुस्थिति से अवगत होकर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर त्वरित सूचना देने को कहा। कलेक्टर कटारा एवं पुलिस अधीक्षक आंजनेय वाष्णैय ने बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों का मुआयना करते हुए फुंडरी में निर्माणाधीन पूल का अवलोकन किया, साथ ही जिला एवं पुलिस प्रशासन के मैदानी अमले को बाढ़ की स्थिति पर सतत निगरानी एवं बाढ़ नियंत्रण कक्ष में जानकारी देने की समझाईस दी। इस दौरान विभागीय अमला सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव सुश्री उमादेवी ने किया जल संचयन के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। भारत सरकार के गृह विभाग की अतिरिक्त सचिव सुश्री बी वी उमादेवी ने आज जिले में जल संचयन के लिए किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्री चंदन कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रोहित व्यास, नगर निगम आयुक्त श्री दिनेश नाग उपस्थित थे। उन्होंने जगदलपुर शहर के नागरिकों द्वारा उपयोग किए गए जल के शोधन के लिए बालीकोंटा में स्थापित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही तोकापाल विकासखण्ड के एरपुण्ड और घाट धनोरा में निर्माणाधीन अमृत सरोवर योजनांतर्गत निर्मित सरोवर, एरपुण्ड में निर्मित अर्दन डेम और मावलीभाटा में निर्मित चेक डेम का अवलोकन किया। सुश्री उमादेवी ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की रूपरेखा, प्रक्रिया, तकनीक एवं क्षमता के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 25 एमएलडी क्षमता का यह सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट प्रदेश में सर्वप्रथम संचालित संयंत्र है। यह सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर प्रक्रिया पर कार्य करता है। इस तकनीक में शहर के गंदे पानी में से कचरे को अलग कर एसबीआर टैंक में डाला जाता है। इसमें 90 मिनट फिलिंग एवं एरिएशन में, उसके पश्चात 45 मिनट सेटलिंग और फिर 45 मिनट डिकेटिंग में लगते हैं। उसके पश्चात् इसमें क्लोरीन की डोजिंग की जाती है। सुश्री उमादेवी ने बस्तर में प्रदेश के सबसे पहले सीवरेज ट्रीटमेंट के संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस जल के पुनः उपयोग के संबंध में जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस जल के पुनः उपयोग हेतु कार्ययोजना तैयार की जा रही है तथा शीघ्र ही इसका क्रियान्वयन किया जाएगा।

सुश्री उमादेवी ने एरपुण्ड तथा घाट धनोरा में अमृत सरोवर योजना के तहत निर्माणाधीन सरोवरों का अवलोकन करते हुए आसपास के किसानों से भी बातचीत की और तालाबों की मेड़ों पर पौधे लगाने की अपील की।

दुर्ग जिले के नवनियुक्त सहा. प्राध्यापकों ने सयुंक कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर रखी अपनी मांगे

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। ज्ञापन लेकर पहुंचे अमृतेश शुक्ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा राज्य में सहायक प्राध्यापकों की 1384 पदों पर भर्ती हुई एवं 1205 लोगों की नियुक्ति का आदेश भी जारी हो चुका है। किंतु ज्ञापन की कंडिका के अनुरूप ना तो उन्हें वेतन दिया जा रहा है ना ही अन्य भत्ते व सुविधाएं।

उन्हें शुद्धि पत्र के माध्यम से स्टायपंड नामक एक भुगतान प्रणाली के अंतर्गत मूल वेतन के 70त्न 80त्न 90त्न जिसमें 20 से 25 हजार रुपए प्रतिमाह आर्थिक क्षति हो रही है । साथ ही विज्ञापन के अनुरूप 2 वर्ष की परिवीक्षा अवधि के स्थान पर 3 वर्ष कर दिया गया है । स्टायपंड में कार्य अनुभव की गणना चौथे वर्ष से की जाएगी अर्थात् शासकीय सेवक की 5 वर्ष की सेवा की गणना 2 वर्षों के कार्य अनुभव के अनुरूप की जाएगी जबकि पूर्व वेतन प्रणाली में यह कार्य अनुभव अवधि 5 वर्ष की होती थी परिवीक्षा अवधि में देय वृद्धि का लाभ परिवीक्षा अवधि समाप्ति के पश्चात एरियस के रूप में दिया जाता था किंतु सटायपंड में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है ।

शासन के दोहरे रवैए पर भी प्राध्यापकों ने चिंता जाहिर करते हुए बताया कि एक तरफ स्वास्थ्य विभाग में 100 वेतन का शुद्धि पत्र लाकर भुगतान करने हेतु शिथिलता प्रदान किया गया है।

यह नीतियां अन्याय पूर्ण है वेतन कटौती होने से नव नियुक्त सहायक प्राध्यापक आर्थिक नुकसान व मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

गौमूत्र की खरीदी का निर्णय ऐतिहासिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। महामंत्री, युवा नेता परस साहू ने कहा कि गौमूत्र की खरीदी का निर्णय ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राज्य के गौठानो में 28 जुलाई हरेली तिहार से गौमूत्र की खरीदी की शुरुआत होगी। प्रथम चरण में प्रत्येक जिले के दो चयनित स्वांवलंबी गौठानों में गौमूत्र की खरीदी की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा गोमूत्र खरीदी किए जाने की घोषणा का कांग्रेस में स्वागत किया है।

जिस प्रकार गौधन न्याय योजना में गोबर खरीद कर छत्तीसगढ़ ने देश में एक नया आयाम गढा है। वैसे ही गोमूत्र खरीदी से भी नवाचार का नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि गोवंश के संरक्षण और जैविक कृषि तथा खेती को रासायनिक कीटनाशकों से बचाने के लिए गोमूत्र का प्रयोग क्रांतिकारी कदम साबित होगा। गोमूत्र का आयुर्वेद में भी बड़ा महत्व है अनेक असहाय रोगों के इलाज में भी गोमूत्र कारगर औषधि साबित हुई है। गोमूत्र की खरीदी हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

Rajesh Yadav 79870-71513, 97557-11120
Shubh Aqua
The Promise of 100% Pure Water
RO Water Purifier
Free Service RO All Brand
Spare Parts, Wholesale Rate, Sales & Service
KENT RO SALES & SERVICE
Shop No. - 03, Vinoba Nagar, Near, Surya Mall, Junwani Raod, Bhilai

MISCHIEF Men's Store
UPTO 70% OFF
Complete Multibrand Store
Mo.-7999112303
mischieforignals
Shop NO. 7A/5, Ekta Tower Dakshin, Gangotri, Supela, Bhilai (C.G.)

राजहंस राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

14 साल की किशोरी को छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट से गर्भपात की मिली अनुमति, रिश्तेदार ने किया था दुष्कर्म

बिलासपुर (ए)। हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में 14 साल की किशोरी को अनचाहे गर्भधारण से छुटकारा दिलाते हुए गर्भपात कराने की अनुमति दी है। कोर्ट ने सिम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा गर्भपात कराने व पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। गर्भपात की प्रक्रिया के दौरान बेटी की सुरक्षा का पूरा-पूरा ख्याल रखने सिम्स प्रबंधन को कहा गया है। आदेश से पूर्व हाई कोर्ट ने सिम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य परीक्षण कर गर्भपात कराने या न कराने के संबंध में रिपोर्ट मांगी थी। चिकित्सकों की टीम ने 27 सप्ताह के गर्भ को गिराने की सहमति दी। चिकित्सा रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने गर्भपात का आदेश जारी कर दिया है।

14 साल की किशोरी को रिश्तेदार ने प्रेमजाल में फंसा लिया था। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। लगातार दैहिक शोषण के चलते किशोरी गर्भवती हो गई। बेटी ने अपनी मां को रिश्तेदार युवक द्वारा दुष्कर्म करने की बात बताई। स्वजन की रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। युवक के जेल जाने के बाद भी दुष्कर्म की शिकार किशोरी को अनचाहे गर्भ से अब तक छुटकारा नहीं मिल पाया है। लिहाजा पीड़िता की मां ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बेटी को अनचाहे गर्भ से छुटकारा दिलाने गर्भपात की अनुमति की गुहार लगाई है।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि उसकी बेटी 14 वर्ष की है। रिश्तेदार युवक प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करता रहा। वह गर्भवती हो गई है। 27 सप्ताह का गर्भावस्था में है। मामले की सुनवाई जस्टिस पी सैम कोशी की एकलपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस कोशी ने सिम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम बनाकर चिकित्सकीय परीक्षण करने और यह रिपोर्ट देने कहा था। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कोर्ट को बताया कि 27 सप्ताह के गर्भ को गिराया जा सकता है। रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने पीड़िता का गर्भपात कराने के निर्देश दिए हैं। सिम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी में पीड़िता का गर्भपात कराया जाएगा।

एकतरफा प्रेम में की हत्या

बात नहीं करती थी छात्रा, इससे नाराज आरोपी ने विवाद के बाद उसे मार डाला

डोंगरगढ़ (ए)। पुलिस ने 14 साल की छात्रा के हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक छात्रा के गांव का ही रहने वाला है। जिसने एकतरफा प्रेम में वारदात को अंजाम दिया है। हत्या के बाद आरोपी नागपुर भाग गया था। जिसे पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर ने प्रेसवार्ता लेकर पूरे मामले की जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी 22 वर्षीय छबिल कुर्रे कोरोना काल के पहले गांव में रहता था, वह डोंगरगढ़ कॉलेज में पढ़ाई करता था। तब गांव में मृतका से वह बातचीत करता था। दोनों के बीच आम लोगों की तरह ही सामान्य बातचीत होती थी। लेकिन अचानक युवक काम की तलाश में नागपुर चला गया। बीते साल उसकी शादी भी हो गई। इसके बाद भी वह छात्रा से बातचीत करने का प्रयास करता था। लेकिन छात्रा उसके बातों का जवाब पहले की तरह नहीं देती थी। इसी से आक्रोशित होकर आरोपी छबिल कुर्रे ने छात्रा की हत्या की योजना बना ली।

100 से भी अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले यहीं से मिला क्लू

आरोपी ने करीब सात दिन पहले योजना बनाई, जिसे 19 जुलाई को अंजाम दिया। आरोपी पहले दिन ही छात्रा को साथ ले जाते सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा था। लेकिन गाड़ी में नंबर नहीं होने और चेहरा स्पष्ट नहीं हो पाने की वजह से पकड़ से बाहर था। पुलिस ने बताया कि घटना से पांच दिन पहले आरोपी एक बाइक चोरी की और इसी बाइक को लेकर वह पहले भी छात्रा से मिलने का प्रयास किया था पर वह असफल रहा। एसपी ठाकुर ने बताया की जांच टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, वहीं 200 से अधिक सीडीआर को खंगाला। आरोपी बाइक झाड़ी में छिपाकर बस से नागपुर भाग गया था। जिसे मोबाइल लोकेशन के आधार पर ढूंढते हुए पुलिस नागपुर पहुंची। आरोपी नागपुर से भी भागने के प्रयास में था, जिसे समय रहते टीम ने गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच में पुलिस टीम ने शुरुआत से ही गंभीरता दिखाई और आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डैम लेकर गया और फिर वहीं गला रेता

आरोपी ने बताया कि जब बाइक गांव की दिशा में नहीं मुड़ी तो छात्रा ने इसका विरोध किया। लेकिन वह कुछ बातचीत करने की बात कहकर डैम ले गया। जहां उसने छात्रा से जमकर विवाद किया। आरोपी छात्रा को रोजाना बातचीत करने के लिए दबाव बनाने लगा। लेकिन छात्रा ने उसकी बात नहीं मानी। इससे नाराज होकर आरोपी ने पूर्व योजना की तरह छात्रा को जमीन पर पटका और करीब 100 मीटर घसीटा। इसके बाद धारदार हथियार से छात्रा का गला रेतकर हत्या कर दी।

चोरी की बाइक, दो बार असउल हुआ

पूछताछ में आरोपी छबिल ने पुलिस को बताया कि वारदात को अंजाम देने के लिए उसने घटना से पांच दिन पहले एक बाइक चोरी की। इसी बाइक से 16 व 18 जुलाई को भी उसने छात्रा को अगवा करने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका। 19 जुलाई को फिर स्कूल के बाहर पहुंचा। जहां छात्रा को देख उसे घर छोड़ने की बात कही। परिचित होने के चलते छात्रा उसकी बातों में आ गई और बाइक में बैठकर गांव की ओर चली गई। इसके बाद आरोपी ने घटना को अंजाम दिया।

अब पुलिस को फारेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

हत्या के पहले छात्रा से दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है। आरोपी ने भी पुलिस को दिए अपने बयान में कहा है कि उसने हत्या करने से पहले दुष्कर्म नहीं किया। पुलिस ने पीएम रिपोर्ट में केवल हत्या होने की जानकारी दी है। जबकि दुष्कर्म की पुष्टि के लिए सैंपल रायपुर लैब भेजा गया है। लैब से दुष्कर्म की पुष्टि होने के बाद ही धारा और जोड़ी जा सकेगी। छात्रा का शव बिना कपड़े के मिलने के सवाल पर पुलिस ने जमीन पर घसीटने की वजह से कपड़ा निकलना बता रही है। जबकि घटनास्थल पर शव की स्थिति देखने के बाद दुष्कर्म होना माना जा रहा था।

बुजुर्ग मां और बेटी से चार माह तक दुष्कर्म करता रहा युवक

बिलासपुर (ए)। युवक अपनी 60 वर्षीय मां और 12 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म करता रहा। लोकलाज के भय से दादी और पोती चार माह तक सब कुछ सहती रहीं। आखिर उसकी हरकत से तंग आकर मां ने कोटा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध दर्ज कर आरोपित को जेल भेज दिया है। कोटा थाना क्षेत्र में रहने वाला 34 वर्षीय युवक रोजी मजदूरी करता था। वह शराब पीने का आदी है। युवक ने नवंबर से दिसंबर 2021 को अपनी मां के साथ दुष्कर्म किया।

इस दौरान अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ भी दुष्कर्म करने लगा। लोकलाज के डर से महिला और बच्ची ने इस बारे में किसी को नहीं बताया। एक माह पहले आरोपित युवक ने अपनी मां और बेटी के साथ फिर से दुष्कर्म किया। शुक्रवार को युवक ने अपनी बेटी के साथ गलत काम करने का प्रयास किया। तंग आकर युवक की मां अपनी पोती को लेकर कोटा थाना पहुंची और पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने जुर्म दर्ज कर आरोपित को गिरासत में ले लिया है।

चार माह पहले छोड़कर चली गई थी पत्नी

पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि आरोपित की हरकत से परेशान होकर चार माह पहले पत्नी उसे छोड़कर अपने मयके चली गई है। तब से आरोपित अपनी मां और दोनों बेटी के साथ रहता था। वह अपनी मां और छोटी बेटी के साथ दुष्कर्म करने लगा। विरोध करने पर गाली-गलौज करता था। वहीं, बड़ी बेटी अपनी मां के साथ चली गई थी।

घटना के बाद छिप गया था आरोपित

पिता द्वारा दुष्कर्म करने की जानकारी बेटी ने अपनी दादी को दी। इससे दादी गुस्से में आ गई और हिम्मत जुटाकर कोटा थाना पहुंच गई। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपित युवक गांव से भागकर शहर में पूछ गया था। पुलिस की टीम ने भारी मशक्कत करने के बाद आरोपित को गिरफ्तार किया है।

क्या कहती है पुलिस

युवक अपनी मां और छोटी बेटी से दुष्कर्म करता था। दोनों पीड़ितों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसे रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले की जांच चल रही है।

चरित्र पर करता था संदेह, पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा, कहा- मुझे गिरफ्तार कर लो

बिलासपुर (ए)। चरित्र संदेह पर युवक ने अपनी पत्नी के गले में शराब की बोतल से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद थाने जाकर समर्पण कर दिया। कहा मैंने पत्नी की हत्या कर दी, मुझे गिरफ्तार कर लो। घटना सरकंडा क्षेत्र का है। कोनी क्षेत्र के ग्राम पौंसरा धुरीपारा निवासी धनेश धुरी (25) की शादी लगरा निवासी बृहस्पति बाई से हुई थी। शादी के बाद दोनों पौंसरा में रहते थे। बाद में धनेश ससुराल लगरा आ गया और पत्नी के साथ नर्सिंग कॉलेज के पास रहने लगा था। दोनों यहां रोजी-मजदूरी करते थे। धनेश पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था। इसके कारण उनके बीच में आए दिन विवाद होता था। शनिवार को दोनों घर से काम पर जाने के लिए निकले।

रास्ते में उनके बीच में झगड़ा हुआ। दोपहर करीब 12 बजे विवाद बढ़ा और धनेश ने शराब की खाली बोतल उठाकर उसे फोड़ा और पत्नी के गले पर लगातार वार करने लगा। महिला इससे बेहोश होकर गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने देखा तो डायल 112 को बुलाया। सूचना मिलते ही कांस्टेबल राकेश काछी व ड्राइवर मौके पर पहुंचे। उन्होंने हत्या की खबर सरकंडा थाने में दी। पुलिस आरोपी की तलाश में थी। इधर आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद सीधे कोनी थाने गया और पुलिस को पत्नी की हत्या की जानकारी दी और गिरफ्तार करने के लिए कहा।

आरोपी पहले कोनी थाने पहुंचकर समर्पण किया और पत्नी की हत्या की जानकारी दी पर पुलिस ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। करीब आधे घंटे तक वह खून से सना बाहर खड़ा रहा।

आरोपी वहां से जाने लगा तो पुलिस उसे लेकर सरकंडा थाना आई। यहां गिरफ्तारी की कहानी रची गई लेकिन बाद में पोल खुल गई। कोनी टीआई सुखनंदन पटेल से आरोपी के थाने आकर समर्पण करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा सच क्या है यह अधिकारी ही बताएंगे। वे जानकारी देने के लिए अधिकृत नहीं है। उनसे ही पूछिए।

ट्रेन से मोबाइल और लैपटॉप चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

बिलासपुर। ट्रेनों में यात्रियों का मोबाइल, पर्स, बैग व अन्य सामान पार करने वाले दो आरोपितों को आरपीएफऔर जीआरपी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से चोरी का लैपटॉप बरामद किया गया है। सागर मध्य प्रदेश निवासी नितिन साहू एक जुलाई को अंबिकापुर से दुर्ग तक यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान पेंड्रा रोड स्टेशन से उसलापुर स्टेशन के बीच उनके बैग से अज्ञात चोरों ने लैपटॉप पार कर दिया, जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये है। लैपटॉप चोरी होने की जानकारी होने पर नितिन ने रायपुर जीआरपी में शून्य में अपराध पंजीबद्ध कराया। इसके बाद जीआरपी बिलासपुर को केस डायरी भेजी गई। डायरी मिलते ही जीआरपी टीम ने आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी। ऋषि कुमार शुक्ला वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ने टास्क टीम बिलासपुर को जीआरपी से समन्वय कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद टास्क टीम के सहायक उप निरिक्षक एसएल बघेल और बल सदस्यों के द्वारा साइबर सेल बिलासपुर से तकनीकी जानकारी लेकर जांच शुरू की गई। मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदेही लगातार ट्रेनों में आवाजाही करता है। इसके बाद टास्क टीम व जीआरपी बिलासपुर द्वारा संयुक्त रूप से 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 18477 में बिलासपुर से पेंड्रा रोड स्टेशन तक जांच की गई। इस दौरान एक युवक की गतिविधियां संदेहजनक दिखाई दी। उसे पकड़कर पूछताछ की गई। युवक ने अपना नाम नरेंद्र साहू उर्फ नेमु बताया। वह खैरमाई चौक पुराना गौरेला का रहने वाला है। जब टीम के सदस्यों ने उससे कड़ी पूछताछ की तो उसने बताया कि हालही में उसने एक यात्री के बैग से मोबइल और लैपटॉप को चोरी किया है। बाद में लैपटाप को खैरमाई चौक स्थित शिव मोबाइल दुकान में बेचने की बात कही। इसके बाद दुकान संचालक को भी टीम ने गिरफ्तार किया है।

शराबी पति के साथ बैठने से मना किया तो पत्नी की कर दी पिटाई

बिलासपुर (ए)। महिला ने शराबी पति के साथ बैठने से मना कर दिया। इससे नाराज पति ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। महिला के बाल पकड़कर जमीन पर घसीट दिया। मारपीट में पीड़िता को चोट लगी है। उन्होंने इसकी शिकायत कोटा थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। ग्राम पंचायत भुंडा के रहने वाली रानी खूंटे रोजी मजदूरी करती हैं। उनके चार बच्चे हैं। शुक्रवार की रात वे अपने बच्चे नैना, नित्या, नैतिक, रीना और सास व ससुर के साथ खाना खाकर सोने की तैयारी कर रही थी।

इसी दौरान रानी के पति ओमप्रकाश खूंटे शराब पीकर घर आया। रात एक बजे अपनी पत्नी को जगाकर अपने पास बैठने के लिए बोला। शराब पीने के कारण पत्नी ने उसके साथ बैठने से मना कर दिया। इसी बात पर ओमप्रकाश खूंटे गुस्से में आकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मारपीट की आवाज सुनकर बच्चे और सास व ससुर की नींद खुल गई। सभी उठकर अपने-अपने कमरे से बाहर निकले। तब ओमप्रकाश अपनी पत्नी रानी के बाल पकड़कर जमीन पर घसीट रहा था।

इसके बाद बच्चे व सास-ससुर ने बीच-बचाव किया। मारपीट से महिला को चोट लगी है। शनिवार को सुबह पीड़िता रानी अपने पति के खिलाफ शिकायत करने कोटा थाने पहुंची और पुलिस को घटना के संबंध में जानकारी दी। पुलिस की टीम ने पीड़िता का मेडिकल जांच करवाने स्वास्थ्य केंद्र कोटा लेकर गई। इलाज होने के बाद महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपित पति ओमप्रकाश खूंटे के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पीड़िता रानी खूंटे ने बताया कि ओमप्रकाश आए दिन शराब पीकर घर आता है। जबरन परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज करता है। इसके कारण घर पर माहौल खराब हो गया है। बच्चे से लेकर सास व ससुर मानसिक रूप से परेशान रहते हैं। समझाने के बाद भी वह किसी का नहीं सुनता है।

रायपुर से ट्रक चोरी कर ओडिशा के जंगल में कर रहे थे कटिंग छह गिरफ्तार, किराए पर ली थी मशीन और गैस सिलेंडर

रायपुर (ए)। रायपुर के खमतराई क्षेत्र से ट्रक चुराकर नुआपाड़ा ओडिशा के ग्राम रोहनपुदर के जंगल में कटिंग करने वाले छह आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित आशीष शर्मा, कृष्णा नायक, लक्ष्मण साहू, संतोष चक्रधारी, मोनू मंडावी, आदर्श मनहरे ने ट्रक को काटने के लिए कटिंग मशीन और गैस सिलिंडर किराये पर लिया था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हीरापुर निवासी गुरमीत सिंग ने 15 जुलाई को खमतराई थाना में ट्रक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। 14 जुलाई की रात नौ बजे ट्रक को रावांभाठा गुरुद्वारा के सामने खड़ा कर वह घर चला गया था। अगले दिन काम में जाने के लिए निकला तो ट्रक गायब था। आसपास तलाश की और नहीं मिलने पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। टीम के सदस्यों ने घटनास्थल और उसके आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और मुखबीर भी लगाए।

पुलिस को सूचना मिली कि चोरी गए ट्रक को रोहनपुदर के जंगल में देखा गया है। इस पर पुलिस टीम उक्त स्थान के लिए रवाना हुई। वहां ट्रक की कटिंग करते आरोपितों को घेराबंदी कर पकड़ लिया।

ट्रक को छिपाने के बाद फिर रायपुर आए थे कटिंग मशीन लेने

वारदात के मास्टर माइंड आरोपित आशीष शर्मा और कृष्णा नायक हैं। आरोपितों ने ट्रक को चुराने के बाद ओडिशा के जंगल में छिपा दिया। वहां से फिर रायपुर आए और किराए में कटिंग मशीन, गैस सिलिंडर आदि लेकर सभी आरोपित आशीष शर्मा के ट्रक से ओडिशा के जंगल पहुंचे। आरोपितों की गिरफ्तारी में खमतराई थाना प्रभारी सोनल ग्वाला, मुकेश यदु, रमेश यादव, पुष्पराज सिंह परिहार, सुदीप मिश्रा, एंटी क्राइम क्राइम एवं सायबर यूनिट से रवि तिवारी, विकास क्षत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आरोपित आशीष मूलत: ओडिशा का रहने वाला है। वर्तमान में वह गुढ़ियारी रायपुर में रह रहा था। कृष्णा भी मूलत: ओडिशा का है और वर्तमान में महासमुंद सरायपाली में रह रहा था। लक्ष्मण साहू रांवाभाठा खमतराई, संतोष चक्रधारी पेंड्रा, मोनू मंडावी बालाघाट, आदर्श मनहरे गोगांव गुढ़ियारी का रहने वाला है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडोदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

दो दिवसीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 30 से भिलाई में

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ के द्वारा दो दिवसीय आचार्य पंडित प्रेम नारायण शर्मा की स्मृति में राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 30-31 जुलाई को साईं बाबा मंदिर सेक्टर 6 भिलाई नगर में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 14 जिले से 250 खिलाडियों की भाग लेने की संभावना है। इस प्रतियोगिता में 6 ग्रुप में 9 से 14 वर्ष बालिका ,10 से 15 वर्ष बालक ,14 से 19 वर्ष बालिका, 15 से 20 बालक ,19 से 27 बालिका, 20 से 28 बालक वर्ग में प्रतियोगिता होगा। जिसमें 3 इवेंट पारम्परिक, कलात्मक, लयात्मक और ग्रुप में होगा। यह जानकारी संस्था के सचिव अजित पंडा ने प्रेस को दी।

कोक ओवन बैटरी नं-6 के रिपेयर के बाद उत्पादन प्रक्रिया प्रारंभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की कोक ओवन बैटरी नं-6 की मरम्मत के बाद अब बैटरी से उत्पादन प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। आज दिनांक 23 जुलाई 2022, निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता द्वारा संयंत्र के कार्यपालक निदेशकों, मुख्य महाप्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ओवन का पहला पुषिंग किया गया। उल्लेखनीय है कि कोक ओवन बैटरी नं-6 के मरम्मत गतिविधियों के पूरा होने के बाद 22 जुलाई 2022 को कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार द्वारा बैटरी की चार्जिंग प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेषक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रषासन), के के सिंह, कार्यपालक निदेषक (सामग्री प्रबंधन) ए के भट्टा, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), एस मुखोपाध्याय, मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेस) एस एन आबिदी सहित मुख्य महाप्रबंधक और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव तथा कोक ओवन विभाग के अधिकारी और कर्मचारीगण बड़ी संख्या में मौजूद थे। कोक ओवन बैटरी नं-06 को इसके पुनर्निर्माण के बाद 19 जून 2011 से चालू किया गया था। लगभग 11 वर्षों तक लगातार परिचालन के बाद जनवरी 2022 से बैटरी नं-6 के हॉट रिपेयर का कार्य प्रारंभ किया गया था।

डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट के दो छात्रों ने 100 में से 100 अंक हासिल किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सी.बी.एस.ई. कक्षा 12वीं के घोशित परिणाम मे डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं ने अपेक्षा के अनुरूप परिणाम देकर अपनी श्रेश्ठता फिर से साबित की है। घोशित परिणाम मे संस्था के 100 प्रतिषत छात्रों ने सफलता हासिल की है साथ ही 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिषत से अधिक अंक अर्जित किया।

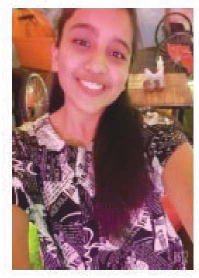

रक्षा जैन (96.4%)

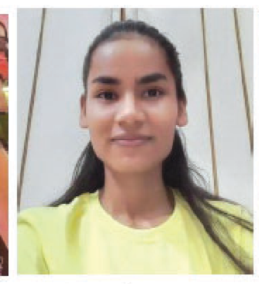

मिली गोलछा (95.6%)

यक्षित सिंह राजपत (94.8%)

प्रखर अग्रवाल (93.8%)

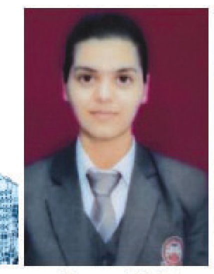

अंशिका ज्योतिषि (93.8%)

उत्तीर्ण होने वाले छात्रों मे प्रमुख रूप से रक्षा जैन (96.4:), मिली गोलछा (95.6:), यक्षित सिंह राजपुत (94.8:), प्रखर अग्रवाल (93.8:) अंषिका ज्योतिशी (93.4:), बी. सिरसा (91.8:), सुभी अग्रवाल (90.8:), ए.श्रुति, कृष्णा वल्लभ यादव, स्वेता वस्त्राकार, रितिका लहरी, आर्यन कुमार, दिया गुप्ता, सानया जोशी, अभिजित राय, सिद्धांत दुबे, पुनित सेन आदि प्रमुख है।

संस्था के दो छात्र रक्षा जैन एवं प्रखर अग्रवाल जिन्होंने एकॉउन्ट्स में 100 में से 100 अंक हासिल किया दोनों ने संयुक्त रूप से राय सर का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि राय सर द्वारा बताये गये उत्तर लिखने के तरीके एवं सवालो को पढ़कर उसको समझाने के तरीकों का हमारी सफलता मे महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तीर्ण होने वाले छात्रों ने एक स्वर में कहा कि डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट में होने वाली साप्ताहिक एवं मासिक टेस्ट, विशय विषेशज्ञों के सेमीनार, परीक्षा की तैयारी में काफी महत्वपूर्ण हैं। 196 जोनल मार्केट सेक्टर-10 संचालित संस्था में आज 11वीं, 12वीं, सी.ए./सी.एम.ए./सी.एस. की कक्षाएं संचालित होती हैं। डॉ. संतोश राय इंस्टीट्यूट छत्तीसगढ़ की एकमात्र ऐसी संस्था हैं जहां सभी विशय, विशय विषेशज्ञ एवं प्रोफेषनल षिक्षकों द्वारा पढ़ाये जाते हैं। संस्था मे छात्रों को प्रषिक्षित करने वाले षिक्षकों मे स्वंय डॉ. संतोश राय, डॉ. मिट्ठू, सी.ए. प्रवीण बाफना, सी.ए. केतन ठक्कर, सी.ए. दिव्या रत्नानी, डॉ. पीयूश जोषी, सी.एम.ए. अदिती गंगवानी, अविनाश कौर प्रमुख है।

माता-पिता एवं गुरूजनों को किया गौरवांवित

डॉ. संतोष राय इंस्टीट्यूट के दो छात्र रक्षा जैन एवं प्रखर अग्रवाल 12वीं सीबीएसई के घोशित परिणाम मे एकॉउन्ट्स मे 100 मे से 100 अंक हासिल किया। दोनों ने संयुक्त रूप से अपनी सफलता का श्रेय डॉ. संतोष राय एवं डॉ. मिट्ठू को दिया है। आगे चर्चा करते हुये दोनों ने बताया कि सर एवं मैडम द्वारा समय-समय पर छात्रों को मोटिवेट किया जाता है। अपने लक्ष्य के प्रति कड़ी मेहनत एवं सही दिषा मे मेहनत करना सिखाया जाता है। सवालो के उत्तर को स्टीक तरीके से लिखना एवं सवालो को आसान तरीके समझाना राय सर से बेहतर कोई नहीं कर सकता। संस्था द्वारा दिये गये हैण्डबुक एवं हल कराये गये सैम्पल पेपर हमारी सफलता मे बहुत ही सहायक सिद्ध हुये इनसे हमें एकॉउन्टस के नये-नये सवालो से रूबरू होने का मौका मिला।

पंचाक्षर मंत्र की महिमा है अपार: संत राजेंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिव महापुराण के पावन पवित्र नवम दिवस शनिवार को व्यासपीठ पर विराजमान राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज के श्रीमुख से शिव कथा सुनने श्रद्धालु उमड़ पड़े। विश्राम दिवस की पावन बेला में सुबह के सत्र में पूजन अभिषेक की अद्भुत छवि 12 ज्योतिर्लिंग का पृथक-पृथक पदार्थों से अभिषेक किया गया।

15 यजमान ने सपरिवार बैठ कर दिव्य अभिषेक श्वेत कमल, नील कमल, लाल कमल व अन्य पुष्पों से अर्चन किया। पूजन के आचार्य पंडित जयप्रकाश शास्त्री, आचार्य राजेश शास्त्री, देवेंद्र शास्त्री, अजय दुबे, दीपक शास्त्री व पंडित अनूप सहित सभी आचार्यों ने मिलकर दिन में रुद्राभिषेक कार्यक्रम संपन्न कराया। महाआरती में राजेंद्र महाराज भी सम्मिलित हुए। श्री शिव महापुराण में वर्णित 24000 श्लोक की महिमा की विस्तृत व्याख्या करते हुए राजेंद्र महाराज ने कहा कि जो भक्त भगवान शिव का एक बार भी नाम का उच्चारण करता है, भगवान शंभू उसके ऋणी हो जाते हैं। पुराणों की संख्या का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से 18 ही पुराण है। जिसमें भागवत शिव महापुराण व विष्णु महापुराण पुराण ही नहीं महापुराण है। भगवान भाव के और भावना के भूखे हैं पदार्थ के नहीं। भगवान प्रेम के भूखे हैं इसलिए प्रभु से प्रेम करो, वेद पुराण, गीता, रामचरित मानस और वेद साक्षात नारायण के मुख से निकले हुए हैं।

उन्होंने कहा कि पुराण वेद व्यास कृत है गीता भगवान की वाणी है। रामचरितमानस मानव जीवन का चलता फिरता विज्ञान है। रामचरितमानस मानव मानस पटल को परमात्मा के चरणों में लगा कर के अपनी प्रीत करा देता है।

शनिवार के पूजन के मुख्य यजमान प्रेमा-राजेंद्र गर्ग, लक्ष्मी उनकी बड़ी बहन की कथा के मुख्य यजमान संगीता-नेमीचंद्र अग्रवाल और नागपुर से पहुंचे अशोक सिंह चौहान ने सपरिवार राजेंद्र महाराज से आशीर्वाद लिया। व्यासपीठ का पूजन गायत्री-नेतराम अग्रवाल, प्रेमलता-रामनाथ अग्रवाल, गीता-डॉक्टर विजय गोयल, सुशीला-गोपाल केसरवानी, रश्मि-राजेश अग्रवाल, अशोक कुमार, गायत्री, सुनील अग्रवाल,ममता-दिलीप अग्रवाल, सरोज-संजय अग्रवाल, सुमन-विनोद शर्मा, सरला-विनोद अग्रवाल, संगीता-श्रीकांत अग्रवाल, सविता-सियाराम मित्तल कवर्धा, पारसनाथ शर्मा का विशेष योगदान रहा।

पूर्व विधायक प्रदीप चौबे के निवास के सामने भी भर गया पानी, वोरा ने कलेक्टर को शहर में जलभराव के हालात की जानकारी दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। लगातार तीन घंटे तक मूसलाधार बारिश से दुर्ग शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। नाले और नालियों की सफाई के बावजूद अधिकांश बस्तियों और कालोनियों में पानी भरने की शिकायत मिलने के बाद वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने शहर के प्रभावित इलाकों का दौरान किया।

पूर्व विधायक प्रदीप चौबे के निवास के चारों ओर पानी भरने की जानकारी मिलने पर वोरा केलाबाड़ी पहुंचे। यहां सड़कों व गलियों में पानी भर जाने के कारण कई वाहन चालक सड़क पर ही गिर गए। वोरा ने इस मामले को लेकर कलेक्टर से फोन पर चर्चा करते हुए तत्काल नगर निगम की व्यवस्था दुरुस्त करने कहा है।

लगातार बारिश के कारण शहर पानी-पानी हो गया। वोरा ने बताया कि शहर के कई इलाकों का दौरा किया है और निगम अमले को तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गए हैं। केलाबाड़ी में भी जलभराव की स्थिति रही।

इसी वार्ड में पूर्व विधायक प्रदीप चौबे के निवास के सामने पानी भरने की समस्या देखने पहुंचे वोरा ने नगर निगम के अफसरों को तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करने कहा। वोरा ने कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा से भी इस संबंध में चर्चा की। कलेक्टर ने कहा है कि जलभराव वाले स्थानों पर पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

नदी-नालों के जलस्तर पर 24 घंटे नजर रखें : पानी निकासी सहित आपदा प्रबंधन की सभी तैयारियां करें वोरा ने नगर निगम के कमिश्नर समेत आपदा प्रबंधन दस्ते से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों को तेज बारिश होने पर जलभराव की शिकायत मिलने पर तत्काल निकासी के इंतजाम करने कहा है। वोरा ने कहा कि नागरिकों के घर पर पानी भरने की नौबत आने पर तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने जुट जाएं। वोरा ने नदी-नालों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने और इनके आसपास के इलाकों में पानी भरने या बाढ़ जैसे हालात होने पर तत्काल आपदा प्रबंधन की चाक चौबंद व्यवस्था करने के निर्देश भी दिये हैं।

यूनियन मान्यता चुनाव में दें समर्थन, हम नहीं देंगे शिकायत का मौका

एचएमएस ने कर्मचारी हित में हमेशा किया संघर्ष : एचएस मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एचएमएस से संबद्ध भिलाई श्रमिक सभा के अध्यक्ष एच. एस. मिश्रा ने कहा कि उनकी यूनियन ने कर्मचारी हित में हमेशा संघर्ष किया है। यह बात सेल के कर्मचारियों से छिपी नहीं है। चाहे कितनी भी परेशानी आई पर एचएमएस कभी पीछे नहीं हटी।

उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र में यूनियन मान्यता चुनाव को लेकर कहा कि कर्मचारियों ने दूसरे यूनियनों को देखा है। अब एक बार एचएमएस की भिलाई श्रमिक सभा को समर्थन दें,हम शिकायत का मौका नहीं देंगे।

भिलाई श्रमिक सभा के अध्यक्ष एच. एस. मिश्रा ने भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा है कि 30 जुलाई को होने वाले यूनियन मान्यता चुनाव में मतदान करते समय अपने विवेक का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि गत चुनाव के बाद से सभी यूनियन के कार्य और उनके नेताओं की क्षमता किसी से छिपी नहीं है। एचएमएस ने हमेशा कर्मचारियों के हित में संघर्ष किया। प्रबंधन के द्वारा कर्मचारी हित में हड़ताल के दौरान एचएमएस के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस के माध्यम से लाठियां भांजी गई। इसके बाद भी एचएमएस से संबद्ध भिलाई श्रमिक सभा यूनियन के इरादे को डिगाया नहीं जा सका।

श्री मिश्रा ने बताया कि भिलाई श्रमिक सभा स्वार्थपूर्ति के लिए कर्मचारियों के हित का बलिदान नहीं कर सकती, जिसकी वजह से प्रबंधन नाराज रहता है। एचएमएस पिछले कई वर्षों से गेट प्रदर्शन, संघर्ष के माध्यम से कर्मचारी मांगों को उठाता रहा है। पूरे सेल के कर्मचारियों को पता है कि एचएमएस के नेता और कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करते हुए कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय लेते रहे हैं। प्रबंधन की हर मनमानी, तानाशाही और गलत नीतियों के विरुद्ध एचएमएस ने लड़ाई लड़ी है।

उन्होंने कहा चुनाव के समय हर यूनियन अपनी अपनी बात रखते हुए वादे करती है। कुछ स्थानीय स्तर की यूनियन के ऐसे नेता भी हैं जिनका काम एनजेसीजीएस के नेताओं को बदनाम करते हुए अपने आपको पाक साफ बताना है। ऐसे नेताओं का वजूद इक्यूपमेंट चौक और भिलाई के आगे कहीं पर भी नहीं है। इनक न तो जिले में और प्रदेश व देश में कोई संगठन है। ऐसे नेताओं के लुभावने वादे में न आकर इस बार के यूनियन मान्यता चुनाव में एचएमएस से संबद्ध भिलाई श्रमिक सभा को क्रमांक 2 पर चुनाव चिन्ह हल चक्र में मतदान करते हुए सभी कर्मचारी सही निर्णय लें। श्री मिश्रा ने कहा कि हम वादा नहीं करते लेकिन विजयी होने के बाद कर्मचारियों की मंशा के अनुसार कार्य करेंगे।

30 जुलाई को होने जा रहे यूनियन चुनाव में बीएमएस सबसे मजबूत व आगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ (बीएमएस) जो कि भारतीय मजदूर संघ से संबंद्ध है इनका संगठन उद्योग व श्रमिकों के हितों के लिए पिछले 65 वर्ष से यह लड़ाई लड़ते आ रहा है। आज बीएमएस का स्थापना दिवस भी है। इस स्थापना दिवस को खुशनुमा मनाने व श्रमिकों व बीएसपी कर्मियों की हौसला अफजाई करने बीएमएस के राष्ट्रीय उद्योग प्रभारी व एनजेसीएस के सदस्य देवेन्द्र कुमार पाण्डेय सोमदत्त मिश्रा व नवरत्न धृतलहरे सेक्टर 2 स्थित गणेश पंडाल में आज संध्या साढ़े 7 बजे बीएसपी के श्रमवीरों व ठेकाकर्मियों को अपना संबोधन देंगे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में आगामी 30 जुलाई को होने जा रहे इस चुनाव में बीएमएस पूरी ताकत के साथ यह चुनाव लड़ने जा रही है। और लगातार अपने प्रचार प्रसार और जनसंपर्क का

यह दायरा प्लांट के भीतर व बाहर लगातार हमारा जारी है। बीएमएस इस चुनाव में प्रथम स्थान प्राप्त करेंगी। उक्त बाते आयोजित पत्रवार्ता में बीएमएस के कार्यकारी अध्यक्ष चन्ना केशवलू ने जानकारी देते हुए बताया कि प्लांट में कर्मचारियों में सीटू व इंटक के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

उन्होंने चुनाव लड़ते समय श्रमवीरों से जो वादे किए थे वो वादे उन्होंने आज तक पूरे नही किए ।बीएसपी मैनेजमेंट भी निर्वाचित यूनियन का ही सपोर्ट करते आई है। जिससे कर्मचारियों का हित नही हो पाया। तीन हजार से अधिक बीएसपी में नए भर्ती हुए (श्रमवीरों) युवाओं का बीएमएस के प्रति भारी रूझाान व समर्थन है। गत दिवस इन युवा श्रमवीरों को बीएसपी मैनेजमेंट ने पनीशमेंट व ट्रांसफर की कार्यवाही भी कि थी जिसकी लड़ाई बीएमएस के पदाधिकारियों द्वारा दिल्ली जाकर लड़ी जा रही है। वहां पर हमने, केन्द्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद विजय बघेल, वरिष्ठ भाजपा नेत्री सरोज पाण्डेय को भी इनकर्मियों की समस्याओं से अवगत कराया। हमें उम्मीद है कि इस्पात मंत्रालय आने वाले समय में इन कर्मियों की समस्याओं को दूर करेगा।

श्री केशवलू ने आगे बताया कि आठ माह पहले बीएमएस के द्वारा अपनी जंगो जेट कार्यकारिणी का गठन किया गया था जिसमें साठ पदाधीकारी बनाए गए है जो कि इसी बीएसपी प्लांट से है अध्यक्ष आईपी मिश्रा , रविशंकर सिंह (महामंत्री) के अलावा मिडिया प्रभारी अशोक महोर के अलावा अब तक बीएमएस में 3200 सदस्य इस बीएसपी प्लांट में बने हुए है। होने जा रहे इस यूनियन के चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने वाले 13468 लोग मतदान करेंगे। बीएमएस में संगठित व असंगठित क्षेत्र के लोग काम करते है।

और बीएमएस ही बीएसपी के श्रमवीरों का हित समझती है। ढ़ाई वर्ष बाद हो रहे इस यूनियन चुनाव में गजब का उत्साह बीएमएस के प्रति देखा जा रहा है। सीटू एवं इंटक के पदाधिकारी बाहरी व्यक्ति रहे है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950